उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः2 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 09 फरवरी-2026

अंदर के पृष्ठ पर | सीटेट में भाभी की जगह परीक्षा देने आई ननद को पकड़ा, बायोमीट्रिक जांच में खुलासा 3 | तीन सगी बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर दी जान 5

मुजफ्फरनगर दंगाः हत्या व आगजनी के मामले में साक्ष्य के अभाव में 22 आरोपी बरी

» बीपीएस न्यूज

मुजफ्फरनगर। जिले की एक अदालत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े हत्या, लूट और आगजनी के एक मामले में साक्ष्यों के अभाव में 22 आरोपियों को बरी कर दिया। शासकीय अधिवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी।

मुजफ्फरनगर जिले की एक अदालत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े हत्या, लूट और आगजनी के एक मामले में साक्ष्यों के अभाव में 22 आरोपियों को बरी कर दिया। शासकीय अधिवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कनिष्क कुमार ने शनिवार को यह कहते हुए आरोपियों को बरी किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

उन्होंने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आठ सितंबर 2013 को भौराकला थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर रायसिंह गांव में हुई घटनाओं के संबंध में 26 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान चार आरोपियों की मृत्यु हो गई, जिसके बाद शेष 22 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन कार्रवाई जारी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हनीफ ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि सैकड़ों दंगाइयों ने गांव में घरों पर हमला किया, संपत्ति लूटी और बाद में घरों में आग लगा दी।

बरी किए गए आरोपियों में अनिल, सुभाष, संजीव, करण, शेर सिंह, ऋषिपाल, हंसपाल, प्रमोद, विक्की, बादल, मदन, जय नारायण, बृजवीर, विनोद, काला, प्रवीण, जगपाल, प्रेमपाल, पप्पू, नीतू, भूरा और हरेंद्र सिंह शामिल हैं। ये सभी मोहम्मदपुर रायसिंह गांव के निवासी हैं। मुजफ्फरनगर में 2013 में हुए दंगों में 60 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 40,000 से अधिक लोग

यूपी में बड़ा हादसाः कासगंज-एटा मार्ग पर अनियंत्रित बस पलटी

25 यात्री घायल, ड्राइवर समेत पांच गंभीर

» बीपीएस न्यूज

एटा। यूपी के कासगंज से एटा की ओर जा रही हिंदुस्तान युनिलीवर कंपनी के पास एक बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस गंभीर हादसे में बस चालक और परिचालक सहित 25 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सत्येंद्र कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।दुर्घटना की सूचना मिलते ही बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया। सभी घायलों को हाईवे और मेडिकल कॉलेज की एंबुलेंस की मदद से तत्काल मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस चालक और परिचालक सहित पांच लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है, जिनके स्वास्थ्य पर डॉक्टर लगातार नजर रखे हुए हैं।बस हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान कर ली गई है। इनमें बस चालक मोती सिंह निवासी कस्बा व थाना आंवला जिला बरेली और परिचालक जयचंद निवासी बरेली शामिल हैं। अन्य घायलों में मोहम्मद शोएब और अरबाज निवासी बरेली, दिनेश निवासी नैनीताल, अनुपम निवासी हुमायूंपुर कासगंज, अलेखा और शिप्रा निवासी आगरा, रिंकी निवासी हुमायूंपुर थाना सोरों जिला कासगंज तथा उपदेश देवी निवासी फिरोजाबाद शामिल हैं।

फिलहाल, बस के अनियंत्रित होकर पलटने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। तेज रफ्तार या यांत्रिक खराबी जैसे कारणों की संभावनाओं पर गौर किया जा रहा है। प्रशासन ने घायलों के परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम रहे अजित पवार की अस्थियां संगम में विसर्जित

» 28 जनवरी को प्लेन दुर्घटना में हुई थी मौत

» बीपीएस न्यूज

प्रयागराज। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की अस्थियां रविवार को संगम में विसर्जित की गईं। उनके पुत्र जय पवार अस्थि कलश हाथ में लेकर एयरपोर्ट से नंगे पैर संगम पहुंचे। विधि-विधान से पूजन कर अस्थियां त्रिवेणी में विसर्जित कीं। उनके साथ पत्नी समेत पारिवारिक सदस्य और कुछ खास रिश्तेदार मौजूद रहे। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री रहे अजित पवार की अस्थियां रविवार को संगम में विसर्जित की गईं। पुत्र जय पवार और बहू समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ प्रयागराज पहुंचे। जय पवार ने विधि-विधान से पूजन और रस्मों को पूरा करने के बाद त्रिवेणी में अस्थियों को विसर्जित किया। जिला प्रशासन की ओर से संगम तट पर विसर्जन के लिए विशेष इंतजाम किया गया। पुणे से प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे जय पवार यहां से हाथ में कलश लेकर नंगे पांव संगम तट पर पहुंचे। साथ में उनकी पत्नी के अलावा अभिषेक बोके, रणजीत पंवार, दीप्ति घाटगे, अभिजीत पवार, राजकुमार भाले, रामचंद्र चोबे (पीएसओ), नीता पाटिल, शेरिन वर्गीस आदि रहे। एनसीपी के स्थानीय नेता भी कलश यात्रा में शामिल हुए। प्रयागराज एयरपोर्ट पर पहुंचने पर बड़ी संख्या में स्थानीय नेताओं ने आगवानी की और सड़क मार्ग से संगम तट पर लेकर पहुंचे। घाट पर पूजन के बाद जेटी के माध्यम से संगम में अस्थियां विसर्जित की गईं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का बारामती एयरपोर्ट पर 28 जनवरी को प्लेन हादसे में निधन हो गया था। उनके साथ हो अन्य पायलटों की भी जान चली गई थी। इसके बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को एनसीपी नेता विधायक दल का नेता चुन लिया। सुनेत्रा को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

सूरजकुंड झूला हादसाः झूला संचालक और कर्मचारियों पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

» पुलिस ने डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल का गठन

» बीपीएस न्यूज

चंडीगढ़। सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले में झूला गिरने की घटना में फरीदाबाद पुलिस ने सूरजकुंड पुलिस स्टेशन में झूला संचालक और उसके कर्मचारियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

एफआईआर में मुख्य आरोपी हिमाचल फन केयर के मालिक मोहम्मद शाकिर हैं, जो हिमाचल प्रदेश के सिरमौर के टोका नांगला गांव के निवासी है। शनिवार शाम को वे ही उस विशाल झूले का संचालन कर रहे थे जो बीच हवा में टूटकर गिर गया, जिससे एक पुलिस निरीक्षक की मौत हो गई। पुलिस ने डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।एसीपी क्राइम वरुण दहिया, जो एनआईटी की क्राइम ब्रांच के प्रभारी हैं और सूरजकुंड पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर संजय कुमार इस दल के अन्य सदस्य हैं। यह दल जिम्मेदारी, सुरक्षा अनुपालन और संभावित लापरवाही सहित सभी पहलुओं की जांच करेगा। शिकायतकर्ता एएसआई सनी ने बताया कि घटना के समय वह अपने प्रभारी इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मेले में मौजूद थे।उन्होंने बताया कि शाम करीब 6 बजे कुछ लोग सुनामी झूले पर झूल रहे थे, तभी अचानक वह एक तरफ से टूट गया। इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद और उनके साथी कर्मचारी लोगों को बचाने के लिए दौड़े। जब वे ऐसा कर रहे थे, तभी झूला दूसरी तरफ से भी टूट गया और उन पर गिर पड़ा। इस घटना में इंस्पेक्टर प्रसाद, अन्य पुलिसकर्मियों और लोगों को गंभीर चोटें आईं। सभी को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया।हालांकि, इंस्पेक्टर प्रसाद ने दम तोड़ दिया। एएसआई सनी ने अपनी शिकायत में आगे कहा कि हमारे इंस्पेक्टर की मौत हिमाचल फन फेयर कंपनी के मालिक मोहम्मद शाकिर और उनके कर्मचारियों द्वारा जानबूझकर लोगों की जान को खतरे में डालने के कारण हुई, क्योंकि उन्होंने सूरजकुंड मेले में लगे झूलों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं

सूरजकुंड झूला मामलाः जान बचाते हुए इंस्पेक्टर शहीद,सीएम ने किया मदद का ऐलान

हरियाणा के सूरजकुंड मेले में सुनामी झूला टूटने से एक बड़ा हादसा हुआ, जिसमें बचाव कार्य के दौरान इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद शहीद हो गए। मुख्यमंत्री सैनी ने शहीद के परिवार को मदद का आश्वासन दिया है, वहीं पुलिस ने झूला संचालक को गिरफ्तार कर मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित की है।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने रविवार को सूरजकुंड मेले में हुए हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वाले पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की बहादुरी की तारीफ की और उनके परिवार को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया।शनिवार की शाम सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में खुशियों का माहौल तब मातम में बदल गया जब सुनामी नाम का एक झूला अचानक टूट गया। उस वक्त झूले पर करीब 19 लोग सवार थे। झूला हवा में ही एक तरफ झुक गया और फिर सीधा जमीन पर आ गिरा। इस हादसे में कई लोग घायल हुए और राहत कार्य के दौरान एक पुलिस अधिकारी की जान चली गई।पलवल में तैनात इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद मेले में ड्यूटी पर थे।

प्राइवेट चार्टर प्लेन क्रैश! इंजन फेल होने के बाद खेतों में करनी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

» बीपीएस न्यूज

कर्नाटक । विजयपुरा जिले से रविवार (8 फरवरी, 2026) को एक बड़े विमान हादसे की खबर सामने आई है। रेडबर्ड एविएशन का एक छोटा ट्रेनिंग विमान तकनीकी खराबी के बाद बालेश्वर तालुक के मंगलुरु गांव में क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में विमान के परखच्चे उड़ गए, लेकिन चमत्कारिक रूप से इसमें सवार दोनों पायलटों की जान बच गई।विमान ने कलबुर्गी से बेलगावी के लिए एक नियमित ट्रेनिंग उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान जब विमान मंगलुरु गांव के ऊपर था, तभी उसके इंजन में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। कैप्टन और ट्रेनी पायलट ने हवा में ही इंजन को फिर से शुरू करने की कोशिश की, लेकिन इंजन पूरी तरह फेल हो गया। विमान तेजी से ऊंचाई खोने लगा और पायलटों को आबादी वाले इलाके से दूर एक खुले खेत में इमरजेंसी लैंडिंग करने का कठिन फैसला लेना पड़ा। चश्मदीदों के अनुसार, विमान को नीचे गिरते देखना एक खौफनाक मंजर था।

खराब हो रहे रेडबर्ड विमान में, कैप्टन और ट्रेनी ने खराब इंजन को ठीक करने की व्यर्थ कोशिश की, लेकिन उनकी सूझबूझ से शायद एक बड़ा हादसा टल गया। विमान इतनी तेज़ी से जमीन से टकराया कि दोनों यात्रियों को गंभीर चोटें आईं, फिर भी चमत्कारिक रूप से उनकी जान बच गई - इस घटना में कोई मौत नहीं हुई। धूल और मलबा हवा में फैल गया, जैसे ही स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, उनकी चीखें मुड़े हुए धातु की आवाज़ के साथ मिल गईं। कुछ ही मिनटों में, 108 एम्बुलेंस घटनास्थल पर पहुंची, और खून से लथपथ पायलटों को गंभीर इलाज के लिए विजयपुरा के सबसे नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया।

राजनीतिक घमासानः फिल्म घूसखोर पंडत पर भड़के अखिलेश यादव, भाजपा पर लगाया समाज को अपमानित करने का आरोप

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नई फिल्म को लेकर उबाल आ गया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा एक सोची-समझी साजिश के तहत विशिष्ट समाजों को लक्षित कर उन्हें अपमानित करने का काम कर रही है। यह विवाद ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्म/वेब सीरीज ''घूसखोर पंडत'' को लेकर है, जिसके शीर्षक और सामग्री पर ब्राह्मण समाज को अपमानित करने के आरोप लग रहे हैं। माना जा रहा है कि यादव ने यह टिप्पणी ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्म ''घूसखोर पंडत'' के संदर्भ में की है। हालांकि उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से फिल्म के नाम का जिक्र नहीं किया है।

राजधानी लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को फिल्म/वेब सीरीज ''घूसखोर पंडत'' के निदेशक और उनकी टीम के ख़िलाफ़ एक जाति विशेष (ब्राह्मण) को अपमानित करने और वैमनस्यता फैलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी। सपा अध्यक्ष यादव ने कहा कि वर्तमान में जिस फिल्म को लेकर मुद्दा बना है, उसके नाम का उल्लेख करना भी संभव नहीं है क्योंकि फ़िल्म का शीर्षक केवल आपत्तिजनक नहीं, बेहद अपनानजनक भी है।उन्होंने कहा कि उस फ़िल्म का नाम लिखने से भाजपा का उस समाज का तिरस्कार करने का उद्देश्य और भी अधिक पूरा होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा, '' भाजपा हमेशा से ये षड्यंत्र करती है कि वो किसी समाज के कुछ लोगों का दुरुपयोग, उसी समाज के खिलाफ करती है। इससे वो किसी समाज विशेष को लक्षित, चिह्नित , टारगेट करके अपमानित-आरोपित' करती है।''

उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा कभी ये काम बयानबाज़ी से करती है और कभी बैठकों पर नोटिस देकर, कभी अपना पैसा लगाकर विज्ञापन, प्रचार सामग्री या फ़िल्म बनवाकर। और जब विवाद बढ़ जाता है तो गिरगिट की तरह रंग बदलकर घड़ियाली आंसू बहाती है और दिखावे के लिए सामने आकर झूठी कार्रवाई का नाटक करती है। सच तो ये है कि वो लक्षित किये हुए समाज विशेष को अपमानित-उत्पीड़ित देखकर मन-ही-मन बहुत खुश होती है।''

यादव ने उक्त फिल्म को नाम बदलकर भी रिलीज नहीं करने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,''जब निर्माताओं को आर्थिक हानि होगी, तभी ऐसी फ़िल्में बनना बंद होंगी क्योंकि पैसे के लालच में भाजपा का एजेंडा चलानेवाले भी भाजपाइयों की तरह पैसे को छोड़कर किसी और के सगे नहीं हैं। ये 'रचनात्मक स्वतंत्रता' या 'क्रिएटिव लिबर्टी' के हनन की बात नहीं है, ये 'रचनात्मक समझ' या कहिए 'क्रिएटिव फ्रुडेंस' की बात है कि पूर्वाग्रह से ग्रसित जो फ़िल्म किस एक पक्ष की भावनाओं को, एक सोची-समझी साज़िश के तहत आहत करे वो मनोरंजन कैसे हो सकती है।''

उन्होंने कहा, और अगर उद्देश्य मनोरंजन नहीं है तो किसी एक समाज को बदनाम करने के एजेंडे के पीछे के एजेंडे का खुलासा भी होना ही चाहिए।'' बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भी शुक्रवार को फ़िल्म 'घूसखोर पंडत' में ब्राह्मण समाज के कथित अपमान को लेकर निंदा करते हुए सरकार से मांग की थी कि इस जातिसूचक फिल्म पर केंद्र सरकार को तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहिये।

संजय राउत का सलमान खान और आरआरएस पर बड़ा हमला, पूछा- भाईजान सिर्फ भीड़ जुटाने के लिए बुलाए गए?

मुंबई। संजय राउत ने आरएसएस के कार्यक्रम में सलमान खान की मौजूदगी पर सवाल उठाते हुए इसे मुस्लिमों को लुभाने की रणनीति बताया और आरोप लगाया कि कई हस्तियां दबाव में शामिल हुईं। उन्होंने उद्धव ठाकरे से विधान परिषद में लौटने की अपील करते हुए बीजेपी पर मुंबई मेयर चुनाव और जिला परिषद चुनावों में गड़बड़ी का भी आरोप लगाया।हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक बड़े कार्यक्रम में सलमान खान समेत बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुईं। संजय राउत ने इस पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या सलमान खान को सिर्फ भीड़ जुटाने के लिए बुलाया गया था? उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से सवाल किया कि क्या यह कदम सिर्फ यह दिखाने के लिए है कि अब संघ में मुसलमानों का स्वागत है? राउत ने यह भी दावा किया कि कई लोग वहां अपनी मर्जी से नहीं, बल्कि दबाव में गए थे।संजय राउत ने अपनी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे से एक खास अपील की है। उन्होंने कहा कि उद्धव जी को फिर से विधान परिषद में लौटना चाहिए। राउत के अनुसार, मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर चुके उद्धव ठाकरे की मौजूदगी राज्य के लोगों और विपक्ष की मजबूती के लिए विधानसभा में बहुत जरूरी है। यह पूरे महा विकास अघाड़ी गठबंधन की इच्छा है।

धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश में जिला गौतमबुद्धनगर परिक्षेत्र ग्रेटर नोएडा बीटा दो थाना पुलिस ने धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रविवार को ऐच्छर क्षेत्र में सूचना मिलने के बाद की गई। पुलिस ने आज यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि एक गांव में कुछ लोग महिलाओं एवं पुरुषों को एकत्र कर विशेष धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं और उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए लालच दिया जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बीटा दो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।जांच में सामने आया कि टैक्सी चालक सुरेश, उसकी पत्नी एवं साली तथा ऐच्छर निवासी चंद्रकरण द्वारा कुछ महिलाओं को एकत्र कर ईसाई धर्म के बारे में जानकारी दी जा रही थी और उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। पुलिस ने मामले में मुकदमा पंजीकृत करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अपनी बात....

संपादकीय .....

दिल्ली के लापता लोग

पिछले दिनों इस खबर ने दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी-अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं।

कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है।

दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती-जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थात? हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। मसलन यदि कोई बच्चा किसी कारणवश स्कूल से लौटने में देर कर दे, कोई व्यक्ति कुछ घंटों तक फोन संपर्क से कट जाए या कोई बुजुर्ग भटकने पर देर से घर पहुंचे तो लोग गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। ये कथित गुमशुदा लोग कुछ समय बाद घर तो लौट आते हैं, लेकिन लोग पुलिस डेटा को अपडेट नहीं करते।

फलस्वरूप पुलिस आंकड़ों में उनकी गुमशुदगी बनी रहती है। पुलिस का दावा है कि लापता लोगों को खोजने की दर में लगातार सुधार हो रहा है। साल 2016 में जो 23,409 लोग लापता हुए थे,

उनमें से करीब 85 फीसदी नौ साल के भीतर मिल गए। साल 2025 में दर्ज मामलों में 63 फीसदी लोगों को भी एक साल के भीतर तलाश लिया गया। दलील है कि कई जटिल मामलों में तलाश का काम एक साल तक पूरा नहीं हो पाता। अन्य राज्यों में उनकी तलाश में समय लगता है। फिर भी पुलिस का दावा है कि दिल्ली के लापता लोगों की संख्या का आंकड़ा दुनिया के कई विकसित देशों से बेहतर स्थिति में है।

बेरोजगारी भी बढ़ा सकता है खाद्य पदार्थों का आयात

शिवम अग्निहोत्री

ऐसे समय में जब घरेलू खेती पहले से ही संत्रास में है, किसानों को मंडियों में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी से 30 से 40 फीसदी कम दाम मिल रहे हैं, भारत के विशाल बाज़ार को सस्ते और बहुत ज्यादा सब्सिडी वाले खेती उत्पादों के लिए और खोलने से खेती-बाड़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

शेक्सपियर के नाटकों में द्वंद्वात्मक कथानक की तरह, एक बड़ी दुविधा यह है कि किस पर विश्वास करें और किस पर नहीं। जहां एक ओर अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रूक रोलिंस ने भारत के साथ एक बढ़िया व्यापार संधि -'अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद है'- के लिए अपने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय वाणिज्य मिनिस्टर पीयूष गोयल ने भी अमेरिका के साथ 'ऐतिहासिक संधि' के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है और दोहराया है कि यह करते वक्त भारत के संवेदनशील कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को सुरक्षित रखा गया है। क्या यह दोनों लोकतंत्रों के लिए 'परस्पर जीत' वाली स्थिति है या यह जोर-जबरदस्ती और मनमानी का नतीजा है, इसकी पुष्टि तो विवरण से ही हो पाएगी।

ऐसे समय में जब घरेलू खेती पहले से ही संत्रास में है, किसानों को मंडियों में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी से 30 से 40 फीसदी कम दाम मिल रहे हैं, भारत के विशाल बाज़ार को सस्ते और बहुत ज़्यादा सब्सिडी वाले खेती उत्पादों के लिए और खोलने से खेती-बाड़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। अमेरिकी किसानों को पहले से ही हर साल भारी सब्सिडी मिलती है, जो कि तकरीबन 66,314 डॉलर प्रति किसान वार्षिक जितनी है (एग्रीकल्चरल रिसोर्स मैनेजमेंट सर्वे, 2020), यह उन्हें उतार-चढ़ावों से बचाती है। इसके अलावा, अमेरिकी प्रशासन वर्ष 2026 में फार्मर्स ब्रिज असिस्टेंस प्रोग्राम (एफबीए) के तहत किसानों को होने वाले प्रति एकड़ नुकसान की भरपाई हेतु 12 बिलियन डॉलर की मदद उत्पाद भुगतान मद के तहत देने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने इसको 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' का नाम दिया है। ऐसे में जब अमेरिका भारत व्यापार संधि के विवरण का अभी इंतज़ार है, अमेरिका और भारत, दोनों पक्ष बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। ब्रूक रोलिंस ने तो सोशल मीडिया पर यह तक कह डाला है कि इस समझौते से 'भारत के विशाल बाज़ार को अमेरिकी कृषि उत्पादों का अधिक निर्यात हो पाएगा, जिससे कीमतें ऊपर उठेंगी और ग्रामीण अमेरिका में अधिक नकदी आएगी'। यह कथन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तों के मुताबिक है, जिसका जिक्र ट्विटर पर अपनी पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया था कि अमेरिका में आयात होने वाले भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 से घटाकर 18 परसेंट कर दी गई है और भारत में नॉन-टैरिफ बैरियर हटाने के अतिरिक्त अमेरिकी निर्यात पर आयात कर शून्य कर दिया गया जाएगा। इस बीच, भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों को भरोसा दिला रहे हैं कि यह समझौता किसानों के हितों को 'सुरक्षित' रखने के बाद ही किया गया है।

इन भरोसे के बावजूद, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की खबर ने पहले ही किसान समुदाय को परेशान कर डाला है। भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए, जो कोई अन्य जानकारी देने से बच रही है, कई किसान नेताओं ने शक जताया है कि क्या किसानों के हितों की रक्षा में वास्तव में हुई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने एक बयान में चेतावनी दी है कि आयात शुल्क शून्य होने से सस्ते आयातित उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी, और इसलिए 12 फरवरी से नए विरोध प्रदर्शनों की धमकी दी है। किसान नेताओं का कहना है कि प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन 2020-21 के विरोध प्रदर्शनों की तर्ज पर होंगे।

किसान समुदाय को इस बात का भी गुस्सा है कि बजट-2026 में कृषि आय को बढ़ाने के लिए ज़रूरी उपायों पर ज़्यादातर चुप्पी रही है, और पहले से ही संकट झेल रहे कृषि क्षेत्र की रक्षा के लिए लाल लकीर कहां खींची जाए, इस पर किसानों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया है। इसके अलावा, सबसे अमीर व्यापारिक समूह, ऑर्गेनाइज़ेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) ने अपनी ताज़ा रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि भारतीय किसानों को 2000-01 और 2024-25 के बीच कुल मिलाकर 111 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, लिहाजा किसानों के लिए एक और बड़ा झटका सहना मुश्किल होगा। हिमाचल प्रदेश में सेब बागवान संघ के अध्यक्ष हरीश चौहान ने चेतावनी दी है 'यह असहाय किसान समुदाय पर बड़े हथौड़े की मार जैसा होगा'।

उन्होंने डर जताया कि यूरोपियन यूनियन और न्यूज़ीलैंड के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते की वजह से सेब को जिस स्तर पर भारतीय बाजार में घुसपैठ मिल गई है, वह अभूतपूर्व है, जिसकी वजह से पहाड़ी राज्यों में सेब उद्योग को भय सता रहा है कि उसका अंत व्यवस्थात्मक ढंग से होने वाला है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी सेब को शून्य आयात शुल्क पर आने की इजाज़त दी गई, तो पहाड़ी राज्यों की सेब आर्थिकी बर्बाद हो जाएगी। उधर, कपास, सोया और प्याज उगाने वाले किसान पहले से ही कुछ सालों से कम कीमतों से जूझ रहे हैं, और शून्य आयात शुल्क की वजह से बाजार में सस्ती आयातित उत्पाद आने से भारतीय किसानों के फसल के दाम और गिरने की आशंका है। यह स्थिति अंततः उन्हें खेती छोड़ने को मजबूर कर देगी।

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति हर साल 500 बिलियन डॉलर मूल्य का अमेरिकन निर्यात होने की बात कह रहे हैं, जिसमें ऊर्जा, तकनीक, कोयला और खेती के अलावा दूसरे क्षेत्र शामिल हैं, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि निर्यात का यह आंकड़ा शायद अगले 5 सालों का है यानी 100 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष होगा। इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका से होने वाले सकल निर्यात में कृषि उत्पाद, डेयरी और उससे जुड़े क्षेत्र ही शामिल होंगे। जबकि, हमारे यहां होने वाले आयात में सबसे बड़ा हिस्सा अनाज, कॉटन, दालें, प्याज़, सोयाबीन और कई तरह की वाइन, शराब, फल, सब्जियां, बादाम और दूसरे मेवों का रहने की उम्मीद है। सूचना के अनुसार, कुछ चीज़ें, मसलन कपास, दालें और प्याज़ में 'कोटा एक्सेस' प्रावधान होगा। लेकिन यह चेतावनी है कि खाद्य पदार्थ आयात करना बेरोजगारी की आमद जैसा है।कपास का ही मामला लें। सितंबर और दिसंबर, 2025 के बीच कपास आयात पर 11 फीसदी शुल्क हटाने से सस्ते कपास की आमद हुई, जिससे घरेलू कीमतें गिर गईं। जहां कपड़ा उद्योग कम दाम से खुश था, वहीं किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। तीन महीनों में ही आयात 30 लाख गांठें बढ़ गया और भारतीय कपास का दाम 1,000 रुपये से 1,500 रुपये प्रति क्विंटल तक गिर गया। इसके अतिरिक्त, चूंकि समझौते के अनुसार नॉन-टैरिफ बैरियर हटाने होंगे, और भारत में इस श्रेणी में आते उत्पादों की संख्या कुछ सौ है, ऐसे में भारत अमेरिकी दूध आयात से उपभोक्ता को कैसे दूर रख पाएगा, जिसके बारे में बताया जा रहा है कि अमेरिकी गायों की खुराक में ब्लड-मील और अन्य मांसाहारी अवयव डाले जाते हैं।

अतः ओवैसी की ज्यादा जमेगी नहीं। पर यूपी में सपा, भाजपा, कांग्रेस, बसपा, लोकदल और अनेक

अशांत संत के दोषारोपण से उपजी राजनीति..!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

अविमुकतेश्वरानन्द प्रकरण के बाद से अखिलेश यादव उत्साहित दिखे हैं ऊपर से भाजपा का यूजीसी नियम में इक्विडिटी कमेटी पर चुप्पी, मोदी ङ्क शाह का सवर्णो के लिए कोई योजना ना लाना, प्रदेश में ओबीसी अध्यक्ष लाना और एससीएसटी एक्ट क़ानून पर चुप्पी नें सपा और कांग्रेस को सवर्णों के काफ़ी नजदीक पहुंचा दिया है। याद होगा की कभी ब्राह्मणो के अकेले दम पर मायावती यूपी की सत्ता पर काबिज रही। अब देश और प्रदेश में बीजेपी द्वारा ब्राह्मणों की उपेक्षा नें मायावती को भी उत्साह से भर दिया है। अब जो दल सवर्णो को आरक्षण और सुरक्षा देगी सवर्ण उसके साथ हो लेंगे। अखिलेश को लग रहा है कि शंकराचार्य मुद्दे पर अविमुक्तेश्वरानंद का साथ देकर उन्होंने बाजी मार ली है , चुनाव में हिन्दू अब उन्हें ही वोट देंगे। मुस्लिम वोट पहले ही उनकी पॉकेट में हैं तो समझो अगले चुनाव में बल्ले बल्ले ? वैसे कमाल की बात है न ? स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती और

अविक्तेश्वरानंद के संबंध सीधे कांग्रेस से हैं, अखिलेश से तो है भी नहीं। होते तो 2015 में मुख्यमंत्री अखिलेश काशी में अविमुक्तेश्वरानंद पर लट्ठ न बरसवाते ?

लेकिन न जाने क्यों कांग्रेस इस मसले पर चुप क्यों है ? सोनिया , राहुल , प्रियंका तीनों चुप हैं , जबकि पवन खेड़ा ही अकेले थोड़ी बहुत उछल कूद कर रहे हैं। वैसे अखिलेश यादव को बता दें कि यूपी में चुनाव हाल फिलहाल नहीं होने वाले, 2027 में होंगे । एक साल में राजनैतिक मुद्दों की हवा निकल जाती है। साल भी क्या दस पांच दिन बाद स्नान का यह प्रसंग लोग भूल जाएंगे। चुनावी फायदा लेना है तो सवर्णों को पुख्ता कीजिए , स्नान को लेकर किए जा रहे तमाशे का कोई लाभ नहीं मिलेगा । सामने देखिए ! योगी महाराज लव जिहाद पर बात कर रहे हैं । यह मुद्दा लोगों पर असर डालता है। वही सफल व्यक्ति है इस ज़माने में जो जातिगत राजनीति में वर्जस्व की ओर देखे। हम तो समझ रहे थे कि अविमुक्तेश्वरानंद इधर के शंकराचार्य हैं लेकिन जब कुख्यात मुख्तार अंसारी पर कृष्णानंद राय की हत्या का आरोप लगा उसी मुख्तार के भाई अफजाल अंसारी आज इन शंकराचार्य का बखान कर रहा है तो आप समझ जाइए की क्या खिचड़ी पक रही है। 2015 में अखिलेश यादव की सरकार ने जब इनको लाठी लाठी कूट दिया था इनको तोड़ दिया था इनके शरीर को जगह-जगह से सुजा दिया इतना ही नहीं इनके ऊपर 6 गंभीर केस में मुकदमा भी दर्ज करवा दिया था जिसे बाद में योगी सरकार ने 2023 में वापस लिया था।

अखिलेश यादव ने मान लिया है कि यूपी में कांग्रेस उनके किसी काम आने वाली नहीं है । यह बात ममता बनर्जी बंगाल में चार साल पहले मान चुकी है । यही वजह है कि अखिलेश अब यूपी में ओवैसी के साथ हाथ मिलाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि चालाक ओवैसी एक साल पहले अपने पत्ते नहीं खोलेंगे । बेशक बंगाल में उन्होंने खुद को डुप्लीकेट बाबरी मस्जिद से जोड़ते हुए हुमायूँ कबीर के साथ जाने का मन बनाया है । बंगाल में चुनाव तीन महीने बाद हैं , अतः ओवैसी शीघ्र कोई फैसला ले लेंगे। जो लोग ओवैसी की पॉलिटिक्स से परिचित हैं वे जानते हैं कि ओवैसी का उद्देश्य मुस्लिमों में पैठ बनाना है , राज्यों की स्थापित पार्टियों को चोट पहुंचना हैं । यही वजह है कि विपक्षी नेता एआईएमआईएम को बीजेपी की बी टीम कहते नहीं अघाते ।

क्षमा कीजिए आज वैसे भी हिंदू समाज में शंकराचार्य की स्थिति इस तरह हो गई है जिस तरह अंतिम मुगल शासक बहादुर शाह जफर की थी जिसकी हुकूमत सिर्फ लाल किले तक सीमित थी इसका कारण है आदि शंकराचार्य हिंदू मान्यताओं को लोगों तक प्रसारित करने के लिए पैदल चला करते थे और जो रास्ते में मिल जाता था वह खा लिया करते थे परंतु वर्तमान शंकराचार्य का घमंड देखिए इन्हें पैदल चलना अपना अपमान महसूस होता है और आम लोगों के बीच में कभी सनातन के प्रचार प्रसार के लिए यह लोग जाते नहीं हैं इन लोगों के मुकाबले कई महंत और संगठन तथा अखाड़े हिंदू समाज में ऐसे हैं जिनकी बड़ी जबरदस्त पकड़ है और जिनके प्रवचन में बहुत बड़ी संख्या में लोग सुनने के लिए आते हैं और दूसरी तरफ शंकराचार्य के प्रवचन को सुनने के लिए उतने लोग भी नहीं आते जितने मुसलमान के मजारों पर लगने वाले मेलों में लोग जाते हैं? क्योंकि शंकराचार्य आम लोगों से कट चुके हैं इसलिए इनका राजनीतिक प्रभाव कुछ नहीं है और हिंदू समाज के लोग इनके कहने पर कहीं पर भी वोट नहीं डालते हैं ?याद कीजिए इंदिरा गांधी के समय गौ रक्षा आंदोलन करपात्री जी महाराज द्वारा किया गया था जिसका बहुत बड़ा उसे समय चर्चा हुई थी उसके अलावा शंकराचार्य द्वारा भारतीय मूल्यों को लेकर कोई बड़ा आंदोलन नहीं किया गया जिससे लोग उनके साथ जुड़ सकें यही कारण है कि आज शंकराचार्य आम जनता के बीच में कोई विशेष महत्व नहीं रखते हैं जहां तक राजनीतिक लोगों का सवाल है उन्हें तो हिजड़े के पांव छूने में वोट के समय कोई फर्क नहीं पड़ता परंतु आज हिंदू समाज द्वारा जितने भी बड़ी समस्याएं हैं उनके बारे में शंकराचार्य शून्य है। तो ममता की बात और है अखिलेश यादव , इस बार वे काफी उलझ गई हैं । लेकिन यूपी में एक बात समझ लीजिए। अगले साल चुनाव चूंकि उत्तराखंड में भी हैं। वहां टू पार्टी सिस्टम है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

भारत और अमेरिका के मध्य हुआ व्यापार समझौता

भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार समझौता हो गया है, इसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल ट्रुथ सोशल से की है। इसी के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें विश्व में शांति के लिए प्रयासरत व्यक्ति के रूप में संबोधित किया है। आईये समझते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते का भारत की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ेगा।भारत विकासशील देश है और भारत की 46त्न कार्यशील जनसंख्या कृषि क्षेत्र में लगी हुई है कृषि क्षेत्र का भारत की जीडीपी में योगदान 18 से 19त्न है जबकि निर्माण क्षेत्र में कुल कार्यशील जनसंख्या का 11त्न कार्यरत है। इसका जीडीपी में योगदान 28त्न के आसपास है। सेवा क्षेत्र में कार्यशील जनसंख्या की भागीदारी लगभग 20त्न है। इसका भारत की जीडीपी में योगदान 54 से 55त्न है। इसी प्रकार यूटिलिटी क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 1 से 2त्न है जबकि इसमें भारत की कुल कार्यशील जनसंख्या का 13 से 14त्न भाग कार्यशील है। भारत ङ्क अमेरिका के मध्य हुए समझौते में भारत ने अपना कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र को व्यापार के लिए नहीं खोला है। क्योंकि इस क्षेत्र में भारत के अधिकांश लोगों को और ग्रामीण क्षेत्र को रोजगार प्राप्त हुआ है।जबकि अमेरिका ने अपना टैरिफ जो भारतीय वस्तुओं पर 50त्न था से घटाकर के 18त्न कर दिया है। अब इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि भारतीय

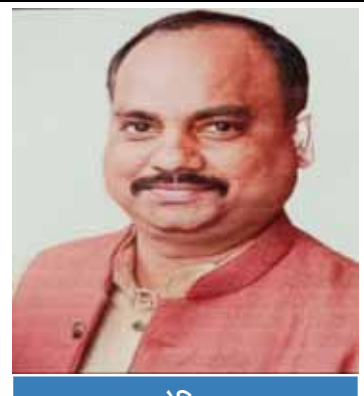

बाल गोविन्द साहू

वस्तुएं अमेरिका में पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन, वियतनाम की तुलना में सस्ती होंगी। भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, भारी इंजीनियरिंग क्षेत्र एवं जेम्स व ज्वेलरी क्षेत्र को लाभ मिलने की संभावना है। इसी का परिणाम है कि इस समझौते की घोषणा होते ही भारत के शेयर बाजार मे लगभग 2000 अंकों की वृद्धि हो गई। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र की बात करें तो भारत का जो तेजस प्रोजेक्ट है उसमें तेजस एम के-1ए तथा एम के -2 ए लिए इंजनों के आपूर्ति में तेजी आएगी जिससे भारत का रक्षा क्षेत्र भी मजबूत होगा।भारत को अमेरिका अपने उन्नत हथियार भी अब जल्दी से डिलीवर करेगा क्योंकि व्यापार में बातचीत जो ठप पड़ी थी जिससे इन वस्तुओं पर भी इसका असर आ रहा था। इसके अलावा भारत को अमेरिका से जटिल प्रौद्योगिकी जिसमें रेयर अर्थ मेटल की रिफायनिंग,सेमीकंडक्टर तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि तकनीक के शामिल हैं के भारत को प्राप्त होने की संभावना है।

हालांकि भारत और अमेरिका के बीच 120 अरब डॉलर से लेकर 150 अरब डॉलर के मध्य का जो व्यापार है उसको भी ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है। इस प्रकार देखा जाए तो भारत और अमेरिका के मध्य हुआ व्यापार समझौता दोनों देशों के मध्य रक्षा तकनीक एवं रणनीतिक संबंधों को भी मजबूत करने का कार्य करेगा व भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में सहयोग प्रदान करेगा।

दुकान खोलकर आत्मनिर्भर बनेंगे दिव्यांग, ऋण व अनुदान के लिए शुरू ऑनलाइन आवेदन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने दुकान निर्माण और दुकान संचालन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना के तहत दिव्यांगजन अपनी दुकान खोल सकेंगे, जिसके लिए सरकार ऋण के साथ अनुदान भी उपलब्ध करा रही है।

दुकान निर्माण योजना के अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन आवेदन कर सकते हैं, जिनके नाम से कम से कम 110 वर्ग फीट की स्वयं की भूमि उपलब्ध हो और जहां दुकान का निर्माण संभव हो।

योजना के तहत कुल 20 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी, जिसमें 15 हजार रुपये चार प्रतिशत साधारण ब्याज पर ऋण और 5 हजार रुपये अनुदान के रूप में शामिल हैं। यह धनराशि दो किश्तों में दी जाएगी।

इसी प्रकार दुकान संचालन योजना के तहत पात्र दिव्यांगजनों को 10 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। इसमें 7,500 रुपये चार प्रतिशत साधारण ब्याज पर ऋण और 2,500 रुपये अनुदान के रूप में प्रदान किए जाएंगे। योजना का लाभ वही दिव्यांगजन ले सकेंगे, जिनके विरुद्ध किसी प्रकार की सरकारी देयता नहीं है और जो किसी आपराधिक अथवा आर्थिक मामले में दंडित नहीं हुए हों।आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है। इच्छुक दिव्यांगजन विभाग की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन के समय दिव्यांगता दर्शाने वाला नवीनतम संयुक्त फोटो, जन्मतिथि अंकित आयु प्रमाण पत्र, मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अधिवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड अथवा राशन कार्ड या यूडीआईडी कार्ड, राष्ट्रीयकृत बैंक खाते का विवरण तथा गारंटर से संबंधित जानकारी अपलोड करना अनिवार्य होगा।

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विनय उत्तम ने बताया कि यह योजना दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल है। उन्होंने कहा कि आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और पात्र दिव्यांगजन सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ सात दिन के भीतर ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें, जिससे उन्हें समय से योजना का लाभ मिल सके।

जूही लाल कॉलोनी को खाली नहीं होने देंगे, संघर्ष को तैयार, कांग्रेस का ऐलान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर दक्षिण के 56 चौराहा, जूही लाल कॉलोनी बस्ती में दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के लोगों को प्रशासन जबरन हटाने की तैयारी कर रहा है लेकिन कांग्रेस बस्तीवासियों के साथ है और गरीबों के सिर से छत छीनने नहीं देगी। शुक्रवार को कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा जूही लालकालोनी मलिन बस्ती के निवासियों को न्याय दिलाने के लिए जूही लाल कॉलोनी व मलिन बस्तियों में चौपाल लगाई।

महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में चौपाल लगाई गई और बस्ती वालों की पीड़ा को सुना और समझा। विचार विमर्श करते हुए प्रशासन द्वारा हो रहे अन्याय को पक्षपाती बताते हुए इसके खिलाफ हर कानूनन लड़ाई लड़ने की घोषणा की।

महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार कुछ पूंजीपतियों के लिए ही काम कर रही है। बस्ती में 65 से 70 वर्षों से अधिक समय से रह रहे गरीबों का निवास का मौलिक अधिकार है।

केडीए और प्रशासन को बस्ती गिराने के बजाय वहां रह रहे लोगों को मालिकाना हक देना होगा इसके लिए कई एक्ट आ चुके हैं। ये मौलिक अधिकार है। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस इसकी कानूनी लड़ाई लड़ेगी और पहले केडीए उपाध्यक्ष को पत्र देगी और यदि केडीए ने न्याय नहीं किया तो इसके खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा। विकास अवस्थी, हरीश बाजपई, नरेश पाठक, मोहित दीक्षित, मनोज वाल्मीकि, कमलाकांत तिवारी, मुकेश दुबे, राजेश गौतम, राकेश साहू, राम शंकर राय, विनोद अवस्थी आदि कांग्रेसजन मौजूद रहे।

सीएम युवा उद्यमी योजना में बैंकों की सुस्ती पर जिलाधिकारी ने अपनाया कड़ा रुख

» स्पष्ट कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में लापरवाही स्वीकार नहीं

» उच्चाधिकारियों को पत्र लिखने के दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएम युवा उद्यमी योजना के क्रियान्वयन में बैंकों की उदासीनता पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। सरसैयाघाट स्थित नवीन सभागार में आज आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कई बैंकों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष एक भी ऋण वितरित न किए जाने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई और स्पष्ट कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

समीक्षा में सामने आया कि यस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक और बंधन बैंक को वित्तीय वर्ष 2025-26 में 40-40 युवाओं को ऋण देने का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन इन बैंकों द्वारा अब तक एक भी लोन डिसबर्स नहीं किया गया। वहीं आईडीबीआई बैंक ने 40 के लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 7 तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 40 के सापेक्ष महज 6 लोन ही डिसबर्स किए हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने 40 के लक्ष्य के सापेक्ष केवल एक लोन दिया है। एक्सिस बैंक ने 200 के लक्ष्य के मुकाबले एक भी लोन डिसबर्स नहीं किया है। एचडीएफसी बैंक ने 210 के लक्ष्य के सापेक्ष 75 तथा आईसीआईसीआई बैंक ने 200 के लक्ष्य के मुकाबले केवल 26 लोन ही वितरित किए हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम युवा उद्यमी योजना युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की सरकार की प्रमुख योजना है, जिसके अंतर्गत बिना गारंटी और सरल प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य युवाओं को नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना है, जिससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को गति मिले और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकों के स्थानीय अधिकारी योजना को लेकर गंभीर नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन बैंकों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है, उनके उच्च स्तरीय अधिकारियों को पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की

संस्तुति की जाएगी।

इसके विपरीत बैंक ऑफ बड़ौदा ने 550 के लक्ष्य के सापेक्ष 420 लोन डिसबर्स कर बेहतर प्रदर्शन किया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 650 के लक्ष्य के मुकाबले 347 तथा पंजाब नेशनल बैंक ने 500 के सापेक्ष 251 युवाओं को ऋण उपलब्ध कराया है।योजना के अंतर्गत जनपद को कुल 4000 लोन का लक्ष्य दिया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 2313 लोन डिसबर्स हुए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और पात्र युवाओं को बिना अनावश्यक विलंब के ऋण उपलब्ध कराया जाए, अन्यथा लापरवाही करने वाले बैंकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एमएसएमई एक्सपो-2026 का हुआ भव्य शुभारंभ, स्टॉलों के माध्यम से एमएसएमई उत्पादों का किया गया प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम एवं एमएसएमई एक्सपो॒2026 (03 व 04 फरवरी, 2026) का आज एमएसएमई-विकास कार्यालय परिसर में शुभारंभ किया गया। एक्सपो में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, विभागों, बैंकों एवं एमएसएमई इकाइयों द्वारा 87 से अधिक स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रदर्शन किया गया।

उद्घाटन अवसर पर संयुक्त निदेशक विष्णु कुमार वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से एमएसएमई इकाइयों एवं सरकारी व सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी की जानकारी देते हुए कहा कि सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को अपनी कुल खरीद

का 25 प्रतिशत सूक्ष्म एवं लघु उद्योग इकाइयों से करना अनिवार्य है, जिसमें 4 प्रतिशत अनुसूचित जाति/जनजाति तथा 3 प्रतिशत महिला उद्यमियों की इकाइयों से खरीद शामिल है।

संयुक्त आयुक्त उद्योग सुनील कुमार ने उत्तर प्रदेश सरकार की औद्योगिक योजनाओं की जानकारी देते हुए उद्यमियों से इनका लाभ लेकर कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार करने का आह्वान किया। हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के उप महाप्रबंधक सुरेश चन्द्र मीणा ने सृजन पोर्टल के माध्यम से वेंडर पंजीकरण की जानकारी देते हुए कहा कि एमएसएमई का छोटा योगदान भी देश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एलिम्को के उप मुख्य सामग्री प्रबंधक रवि रंजन ने उद्यमियों से उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाकर एलिम्को जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों को आपूर्ति करने की अपील की।

आयुध निर्माणी के वर्क्स मैनेजर संजय गुप्ता ने बताया कि संस्थान द्वारा लगभग 90 प्रतिशत खरीद एमएसएमई क्षेत्र से की जाती है तथा उद्यमी संबंधित पोर्टल पर पंजीकरण कर अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।

मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर टी. रजनीश, डीजीक्यूए, कानपुर ने कहा कि देश की जीडीपी में एमएसएमई क्षेत्र का लगभग 30 प्रतिशत योगदान है तथा रोजगार सृजन में इसकी भागीदारी 62 प्रतिशत तक है। उन्होंने उद्यमियों से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के अनुरूप कार्य करने पर बल दिया।

एक्सपो में हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, एलिम्को, बैंक ऑफ बड़ौदा, भारतीय स्टेट बैंक, यूको बैंक सहित 82 से अधिक सूक्ष्म एवं लघु उद्योग इकाइयों ने सहभागिता की। महिला उद्यमियों की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस 04 फरवरी, 2026 को क्रेताॱविक्रेता सम्मेलन, तकनीकी सत्रों के साथ शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक अविनाश कुमार अपूर्व द्वारा किया गया, जबकि समापन अवसर पर संयुक्त निदेशक अजय बाजपेयी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कानपुर पुलिस द्वाराआम नागरिक को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का किया गया आयोजन

» साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर दें सूचना अथवा नजदीकी थाने पर करें संपर्क

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से थाना बर्रा क्षेत्र अंतर्गत अंधा कुआँ चौराहा एवं पुरन चंद स्कूल परिसर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम/नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों एवं छात्र-छात्राओं को साइबर फ्रॉड,

ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल/लिंक, ओटीपी साझा न करने, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

पुलिस कर्मियों द्वारा बताया गया कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता अत्यंत आवश्यक है तथा किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर अथवा नजदीकी थाने पर संपर्क करें।

कानपुर नगर पुलिस आमजन से अपील करती है कि साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूक रहें, सतर्क रहें और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएँ।

सीटेट में भाभी की जगह परीक्षा देने आई ननद को पकड़ा, बायोमीट्रिक जांच में खुलासा

कानपुर। केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) में शनिवार को अपनी भाभी की जगह परीक्षा देने आई ननद पकड़ी गई है। उसके खिलाफ बर्रा थाने में एफआईआर हुई है। आरोपी कन्नौज की रहने वाली है और सुबह की पाली में उसने चकेरी के एक केंद्र में खुद भी परीक्षा दी थी। दूसरी पाली में बर्रा के पूर्णचंद्र विद्यानिकेतन पहुंची। यहां बायोमीट्रिक जांच के दौरान केंद्र निरीक्षकों ने इस धोखाधड़ी का खुलासा किया।

डीसीपी दक्षिण दीपेंद्रनाथ चौधरी ने बताया कि बर्रा स्थित पूर्णचंद्र विद्यानिकेतन में केंद्र निरीक्षक प्रवेश पत्र और बायोमीट्रिक का मिलान कर रहे थे। इस दौरान एक परीक्षार्थी की बायोमीट्रिक पहचान का मिलान नहीं हुआ। केंद्र

निरीक्षकों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने महिला परीक्षार्थी से पूछताछ की तो उसने सब बता दिया। परीक्षार्थी की पहचान कन्नौज के घनापुरवा लाख निवासी संध्या के रूप में हुई। वह अपनी भाभी शिवानी देवी की जगह परीक्षा देने आई थी। संध्या का खुद का सेंटर चकेरी के एक स्कूल में पड़ा था। डीसीपी के अनुसार भाभी के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

सेंट्रल स्टेशन पर परीक्षार्थियों की भीड़, चलाईं पांच स्पेशल ट्रेनें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रतियोगी परीक्षा के चलते शनिवार को सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर परीक्षार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी। इसका असर गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन पर भी देखने को मिला। सुबह से ही प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर और प्रतीक्षालय छात्रों से भरे नजर आए। कई परीक्षार्थी दूर-दराज से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए स्टेशन पहुंचे थे। भीड़ इतनी अधिक थी कि यात्रियों को प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। टिकट खिड़कियों पर लंबी कतारें नजर आईं। कुछ ट्रेनों में सामान्य डिब्बों में क्षमता से अधिक यात्री चढ़ गए। वहीं, रेल प्रशासन की ओर से प्रयागराज, लखनऊ सहित पांच रूटों पर स्पेशल ट्रेनें भी चलाई हैं।

सेंट्रल स्टेशन, गोविंदपुरी के प्लेटफार्मों पर शनिवार को सीटेट परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों की भीड़ दोपहर और शाम को प्लेटफार्मों पर पहुंची। भीड़ को देख वरिष्ठ स्टेशन अधीक्षक अवधेश द्विवेदी ने आरपीएफ प्रभारी एसएन पाटीदार की रिपोर्ट पर पांच स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया। परीक्षार्थी अनुराग शुक्ला, विनय यादव, आदित्य सिंह ने बताया कि गोरखपुर-यशवंतपुर, चौरीचौरा एक्सप्रेस,

नेताजी एक्सप्रेस, बाड़मेर सहित साथ सात ट्रेनों के आरक्षित सीटों पर भी कुछ छात्रों व यात्रियों ने कब्जा कर लिया था।भीड़ को देखते हुए आरक्षित कोच में आरपीएफ के जवान पहुंचे तो टिकट देखकर उन्हें बैठाया। वहीं, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रभारी ने भीड़ का आंकलन करते हुए शनिवार को दिन में सबवे (सुरंग मार्ग) के रास्ते पर बैरियर लगाकर आवाजाही बंद कर दी।

परीक्षार्थियों की भीड़ नियंत्रित करने के लिए घंटाघर के सामने बने गलियारे के सिंगल रास्ते से एंट्री दी। इधर, सेंट्रल स्टेशन पर भीड़ को देखते हुए कैंट व सिटी साइड बनाए गए होल्डिंग एरिया में भीड़ को रोक स्पेशल ट्रेनों के अनाउंसमेंट होने पर परीक्षार्थियों को लाइन लगवा कर ले गए ताकि परीक्षार्थियों का अकारण लोड दूसरी जगह न पड़े।

रविवार को भी सीटेट परीक्षा है। इस वजह से तड़के से ही 10 क्यूआरटी और इतनी ही रास्सा टीमें अलग-अलग प्लेटफार्मों पर मुस्तैद रहेंगी। किसी प्रकार की कोई दिक्कत ह

ै तो हेल्पलाइन नंबर 9454404416 व 139 पर बताएं।मेजर सलमान बस अड्डा झकरकटी बस अड्डा पर परीक्षार्थी शाम के समय पहुंचे। बुंदेलखंड की तरफ जाने वाली बसों में सीट के लिए परीक्षार्थियों में मारामारी रही। हालांकि रोडवेज प्रबंधन को अतिरिक्त बस नहीं चलाई।

पुलिस ने क्षेत्र में किया पैदल गश्त, सुरक्षा का दिलाया भरोसा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और आम जनमानस में सुरक्षा का भाव पैदा करने के उद्देश्य से आज थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा विशेष रूट मार्च निकाला गया।

यह गश्त थाना प्रभारी (फर्स्ट इंस्पेक्टर) श्री केशव कुमार तिवारी एवं सेकंड इंस्पेक्टर श्री दीप चंद्र यादव के नेतृत्व में की गई।

प्रमुख रूट और गतिविधियाँ

पुलिस का यह काफिला थाना नवाबगंज से शुरू होकर अमरुद मंडी होते हुए मैनावती एनआरआई सिटी (NRI City) तक किया गया। इसके पश्चात पुलिस बल वापस इसी मार्ग से होता हुआ थाने पर समाप्त हुआ।

विपिन टाडा संभालेंगे कानून व्यवस्था, संकल्प अपराध और मुख्यालय, पुलिस कमिश्नर ने दी जिम्मेदारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कमिश्नरी पुलिस में आईपीएस विपिन टाडा संयुक्त पुलिस कमिश्नर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने शनिवार की शाम को चार्ज संभाल लिया है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से मिलकर शहर के हालात और कमिश्नरी की जिम्मेदारियों को समझा। नए जेसीपी रविवार को शहर का जायजा ले सकते हैं। आईपीएस संकल्प शर्मा जेसीपी अपराध और मुख्यालय की भूमिका में रहेंगे। वह सोमवार को चार्ज लेंगे।

पुलिस मुख्यालय से चार फरवरी को जारी हुई लिस्ट में कमिश्नरी के दोनों संयुक्त पुलिस आयुक्त बदल गए हैं। यहां लखीमपुर खीरी के डीआईजी संकल्प शर्मा और मेरठ के डीआईजी विपिन टाडा को जेसीपी बनाया गया है। जेसीपी अपराध व हेडक्वार्टर रहे विनोद कुमार सिंह को डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद का आईजी बनाया गया है। जेसीपी कानून व्यवस्था आशुतोष कुमार का पहले ही एडीजी पद पर प्रमोशन हो गया था। उन्हें लखनऊ में पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के एडीजी की जिम्मेदारी दी गई है।

पुलिस कमिश्नरी रघुबीर लाल ने आईपीएस विपिन टाडा को जेसीपी लॉ एंड ऑर्डर और आईपीएस संकल्प शर्मा को जेसीपी क्राइम व हेडक्वार्टर बनाया है। शनिवार देर रात जेसीपी लॉ एंड आर्डर ने चार्ज ले लिया है। उन्होंने डीसीपी, एडीसीपी और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की।

महापौर ने विधायक संग किया सड़क पार्क का शिलान्यास व भूमि पूजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वार्ड 65 नौबस्ता पश्चिम दामोदर नगर क्षेत्र में महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक महेश त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, रमाकांत शर्मा ने एक करोड़ 86 लाख रुपये से बनने वाली सड़क नाली पार्क सुंदरीकरण के काम का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। इसी के साथ अमृत योजना 2.0 के तहत गहरी सीवर लाइन के कार्य का शुभारंभ हुआ। क्षेत्रीय पार्षद योगेंद्र शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं स्थानीय लोगों को माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। पार्षद योगेंद्र शर्मा ने वार्ड में दो कच्चे बरसाती नालों को पक्का कराए जाने की प्रमुख मांग महापौर से की।

पार्षद योगेंद्र शर्मा ने महापौर प्रमिला पाण्डेय को क्षेत्र के संजय गांधी नगर तथा गड़रियन पुरवा में जलभराव की समस्या को अवगत कराते हुए नाला निर्माण कराए जाने की मांग की। इस मौके पर मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष आनन्द सिंह परिहार बिट्टू ठाकुर, जयंती वर्मा, विकास सविता, टिंकू राजपूत, अजय प्रताप सिंह, विनोद तिवारी, शैलेंद्र सिंह इस मौके पर मुख्य रूप से शैलेन्द्र सिंह चौहान, राजीव गुप्ता, अमित भारद्वाज, शिवपूजन सविता, अशोक त्रिपाठी, रामप्रकाश द्विवेदी, विकास बाजपेई, भानू सिंह, विजय बाजपेई, योगी ठाकुर, अनुज बाजपेई, अमित गौड़, टिंकू राजपूत, विकास सविता, मामा यादव, भोलू ठाकुर, भानू यादव, दुर्गेश त्रिपाठी, राजीव चक्रवर्ती, सहित काफी संख्या में क्षेत्रीय मौजूद रहे।

यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन कर फूंकी एक्ट की प्रतियां

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। यूजीसी एक्ट के विरोध में रविवार को स्वर्ण समाज का आक्रोश खुलकर सामने आया। स्वर्ण समाज संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में समाज के लोगों ने पटेल चौक (बर्रा) पर एकत्र होकर जोरदार प्रदर्शन किया और कानून को छात्रों के भविष्य के लिए नुकसानदेह बताया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में यूजीसी एक्ट-2026 विरोधी तख्तियां लेकर नारेबाजी की और इसे शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती करार दिया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे, जिससे क्षेत्र में काफी देर तक आंदोलन का माहौल बना रहा।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी एक्ट-2026 स्वर्ण समाज के विद्यार्थियों के हितों को प्रभावित करने वाला है। उन्होंने कहा कि इस कानून से छात्रों में असमंजस की स्थिति बनेगी और उनका शैक्षणिक व व्यावसायिक भविष्य प्रभावित होगा। उन्होंने मांग की कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार का बदलाव सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने यूजीसी एक्ट-2026 की प्रतीकात्मक प्रतियां फूंकी, जिसे विरोध का संकेत बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा से जुड़े ऐसे फैसले बिना व्यापक विमर्श के लागू नहीं किए जाने चाहिए।

प्रदर्शन में डा.प्रदीप कुमार पाण्डेय, प्रकाश वीर आर्य,अनुराग सिंह सेंगर (एड.), प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी, राजेश सुनेजा, सुरेश रतनानी, अभिषेक पाठक, अभिनव मिश्रा, संतोष दीक्षित, संजीव अवस्थी सहित कई गणमान्य लोग और युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।स्वर्ण समाज संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि सामान्य वर्ग पर अभी खतरा टला नही है अपितु यूजीसी एक्ट-2026 के विरोध में आगे भी आंदोलन जारी रहेगा और इस विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम भी किए जाएंगे।

कलयुगी बाप: ठंडे पानी के टब में फेंकी गई मासूम ने तोड़ा दम; मां ने शव लेकर ससुराल में किया हंगामा

» आए दिन बेटी को पीटता था गोपाल

» मायके में आकर रहने लगी थी रुचि

» तहरीर के आधार पर की जाएगी कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।मसवानपुर में नशेड़ी पिता द्वारा ठंडे पानी के टब में फेंकी गई एक वर्षीय बच्ची ने एक माह के इलाज के बाद दम तोड़ दिया। गुस्साए परिजनों ने शव के साथ ससुराल में हंगामा कर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

कानपुर के मसवानपुर में महिला ने अपनी पति पर शराब के नशे में उसे पीटने और एक साल की मासूम को ठंडे पानी से भरे टब में डालने का आरोप लगाया। पिता की इस करतूत से बच्ची की तबीयत बिगड़ गई जिसे मां ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। एक महीने तक जिंदगी से जंग लड़ने के बाद बच्ची ने शुक्रवार की सुबह दम तोड़ दिया।

इससे आक्रोशित मां ने बच्ची का शव गोद में लेकर मायके पक्ष के साथ ससुराल पहुंची और हंगामा किया। पति पर बेटी की हत्या का आरोप लगा कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची रावतपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

नवाबगंज सूर्य विहार निवासी रामसिंह के अनुसार बेटी रुचि ने 16 सितंबर 2024 को रावतपुर मसवानपुर निवासी ई-रिक्शा चालक गोपाल गुप्ता से प्रेमविवाह किया था। दोनों सूर्य विहार में ही किराये के कमरे में रह रहे थे। आरोप है कि शराब का लती गोपाल आए दिन बेटी को पीटता था।

रुचि का आरोप है कि एक माह पूर्व शराब के नशे में धुत पति गोपाल ने उन्हें पीटा। इसके बाद एक साल की बेटी सृष्टि को उठाकर ठंडे पानी के टब में डाल दिया। बच्ची की हालत बिगड़ गई। वह बच्ची का निजी अस्पताल में इलाज करा रही थीं। वहीं, घटना के बाद से रुचि मायके में आकर रहने लगी थी। शुक्रवार सुबह बच्ची की मौत हो गई।मासूम की मौत से गुस्साई रुचि व उसके परिजन बच्चे के शव को लेकर रावतपुर स्थित रुचि की ससुराल पहुंचे। हत्या का आरोप लगा हंगामा किया। रावतपुर थाना प्रभारी कमलेश राय ने बताया की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने पर विसरा सुरक्षित किया गया है। परिजन की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पॉलिटेक्निक की तैयारी कर रहे छात्र ने दी जान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बर्रा विश्वबैंक कॉलोनी में रहने वाले प्राइवेट कर्मी संजय के बेटे कार्तिकेय अग्रवाल (22) ने शुक्रवार देर शाम फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों के अनुसार वह पॉलिटेक्निक की तैयारी के साथ ही टाटमिल स्थित एक अस्पताल में कैंटीन चलाता था। ड्यूटी से घर लौटे कार्तिकेय के बड़े भाई सागर को घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमॉर्टम भेज दिया।

पिता संजय के अनुसार शुक्रवार को वह और बड़ा बेटा जॉब पर चले गए थे। शाम को पत्नी रेनू घर का कुछ सामान लेने के लिए बाजार गई थी। तभी कार्तिकेय ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर फंदा लगा लिया। बर्रा इंस्पेक्टर रविंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि परिजन घटना के पीछे के कारण नहीं बता सके हैं। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। अगर तहरीर मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा की मनाई गई पुण्यतिथि

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दस का शासन नब्बे पर, नहीं चलेगा, नहीं चलेगा ङ्क सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा है, धन, धरती और राजपाट में, नब्बे भाग हमारा है卐 का नारा देने वाले बिहार लेनिन बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा का जन्म दिवस 02 फरवरी 2026 को ओबीसी संगठन के कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया। ओबीसी एसोसिएशन के मण्डल उपाध्यक्ष बाल गोविंद साहू ने बताया कि, बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा का जन्म बिहार के जहानाबाद जिले में हुआ था। इन्होंने शोषण समाज दल का गठन किया था। यह सतीश प्रसाद सिंह की सरकार में चार दिन के लिए उपमुख्यमंत्री भी बने थे। इन्होंने इस बात को सदैव कहा कि पिछड़ी जातियों की संख्या 60ब है। उन्हें राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय के रूप में 60ब संसाधनों पर अधिकार देना होगा। तभी देश प्रगति कर पाएगा।यदि किसी व्यक्ति के पास अधिकांश संसाधन हैं और अधिकांश जनसंख्या के पास संसाधन नहीं है। तो देश के संसाधनों का समुचित उपयोग देश की प्रगति के लिए नहीं हो पाएगा। इसलिए देश को प्रगति के पथ पर यदि चलना है तो संसाधनों का उचित तरीके से वितरण करना सुनिश्चित करना आवश्यक है। बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा का पूरा जन्म पिछड़ों वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष में बीता यह राम मनोहर लोहिया के अनुयाई थे। उसके पश्चात यह अर्जक संघ से जुड़े और आजीवन उसके सदस्य बने रहे। अर्जक संघ की स्थापना रामस्वरूप वर्मा ने की थी। वर्ष 1974 में एक आंदोलन के दौरान गोली लगने से की मृत्यु हो गई। वक्ताओं ने उनके जीवन से संबंधित अनेक प्रेरक प्रसंगों का वर्णन किया।इस अवसर पर ओबीसी एसोसिएशन के मण्डल उपाध्यक्ष बाल गोविंद साहू, इलेक्ट्रिक लोको शेड एवं टी एम शेड शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार कुशवाहा, सहायक शाखा मंत्री चंद्रभान साहू, वरिष्ठ कार्यकर्ता अजय यादव, प्रेम कुमार पाल एवं फूल सिंह आदि उपस्थित रहे।

ट्राला ने बाइक सवारों को रौंदा, किशोरी की मौत और मौसेरा भाई-भाभी घायल

कानपुर। सजेती के पड़री गांव के पास टोल बचाने के चक्कर में अंदरूनी रास्ते से जा रहे ट्राला ने बाइक सवार किशोरी को कुचल दिया। ग्रामीणों ने पुलिस और वाहन चालकों की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए ढाई घंटे तक सड़क जाम कर हंगामा किया।कानपुर के घाटमपुर में सजेती थाना क्षेत्र के बरीपाल के पास टोल बचाने को अंदर से जा रहे ट्राला ने शुक्रवार की शाम साढ़े छह बजे बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक में पीछे बैठी किशोरी की मौत हो गई। वहीं, बाइक चला रहा मौसेरा भाई व उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे से नाराज ग्रामीणों ने घटनास्थल पर जाम लगा दिया।

कानपुर देहात के कल्ला, पुखरायां निवासी राजेश सचान की बेटी राजा (16) अपने ननिहाल सिधौल आई थी। वह अपनी मौसी की बेटी की शादी में शामिल होने घाटमपुर आ रही थी। बाइक उसकी दूसरी मौसी का बेटा कानपुर देहात के बरौर थाना क्षेत्र के मुंडेरा निवासी प्रियांशु (25) चलाए हुए था। साथ में, प्रियांशु की पत्नी पूनम (22) भी बैठी थी।जैसे ही बाइक बरीपाल से कुछ आगे पड़री गांव के पास पहुंची। तभी गाटर लादकर जा रहे ट्राला ने टक्कर मार दी, जिससे राजा की मौके पर मौत हो गई। वहीं, प्रियांशु व पूनम गंभीर रूप से घायल हो गए। पूनम को सीएचसी से हैलट रेफर कर दिया गया है। वहीं, हादसा होते ही गुस्साए ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। पुलिस को शव उठाने से मना कर दिया।उनका आरोप था कि टोल टैक्स बचाने के चलते भारी वाहन पुलिस से साठगांठ कर अनूपुर से होकर परास निकलते हैं। इससे रोड तो पूरी तरह उखड़ ही गई है।

कानपुर में सजेगा खादी बाजार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। खादी उत्पादों के प्रति आम जनमानस विशेषकर युवा वर्ग में दिलचस्पी पैदा करने के मकसद से कानपुर के ब्रजेन्द्र स्वरुप पार्क में 9 फरवरी से मंडल स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। पार्क के लॉन नंबर दो पर 18 फरवरी तक चलने वाली प्रदर्शनी का उदघाटन खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान सोमवार शाम पांच बजे करेंगे।

इस सिलसिले में शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि प्रदर्शनी में खादी तथा ग्रामोद्योग इकाइयों के अलावा अन्य सरकारी विभागों द्वारा चलायी जा रही रोजगारपरक योजनाओं में लाभान्वित उद्यमी अपने उत्पादों का प्रचार प्रसार तथा बिक्री करेंगे। उन्होने बताया कि विभाग द्वारा लगायी गयी पिछली प्रदर्शनी के दौरान एक करोड़ 60 लाख रुपये का व्यवसाय हुआ था जबकि इस बार बिक्री का लक्ष्य दो करोड़ 50 लाख रुपये रखा गया है।

मुरादाबाद के पीतल उत्पाद और आजमगढ़ के काष्ठ उत्पाद दर्शकों को आकर्षित करेंगे। इसके अलावा प्रतापगढ़ का आंवला,सहारनपुर का फर्नीचर, चर्म उत्पाद , बांस बेंत,बनारस की साड़ियां और खादी के कपड़े,रेडीमेड वस्त्र स्टालों पर उपलब्ध होंगे। शर्मा ने दावा किया कि खादी से बने वस्त्र और अन्य कुटीर उद्योग के उत्पादों के प्रति युवा वर्ग का रुझान हाल के वर्षों में बढ़ा है और प्रदर्शनी के जरिये इस दिशा में और सफलता मिलने का अनुमान है।

योगी सरकार खादी और ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ रही है और इसका प्रभाव खादी वस्त्र भंडार और अन्य आनलाइन प्लेटफार्म में बढ़ रही बिक्री के तौर पर देखा जा सकता है। प्रेस कांफ्रेंस में ग्रामोद्योग महासंघ के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता के अलावा अभय कुमार त्रिपाठी और केके पांडेय मौजूद रहे।

निशिका (16 साल)

प्राची (14 साल)

पाखी (12 साल)

तीन सगी बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर दी जान

खेलती थी ऑनलाइन कोरियन लव गेम, माता-पिता के आपत्ति जताए जाने पर उठाया खौफनाक कदम

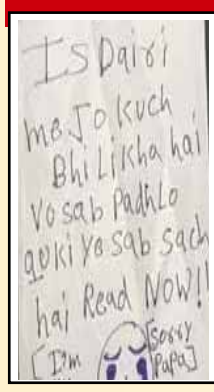

मोबाइल और डायरी बनी जांच की चाबी, कोरियन कल्चर एंगल पर पुलिस उलझी

» बीपीएस न्यूज

गाजियाबाद।उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों ने कथित तौर पर अपने अपार्टमेंट की नौवीं मंज़िल से कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि माता-पिता द्वारा उनकी अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग आदतों पर आपत्ति जताए जाने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया। शालीमार गार्डन के सहायक पुलिस आयुक्त अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मृतक बहनों की पहचान पाखी (12 वर्ष), प्राची (14 वर्ष) और निशिका (16 वर्ष) के रूप में हुई है। यह घटना बुधवार तड़के करीब 2 बजे क्रॉसिंग्स रिपब्लिक क्षेत्र स्थित भारत सिटी आवासीय सोसाइटी में हुई।

रिपोर्ट के अनुसार, तीनों बहनें आपस में बेहद करीबी थीं और नहाने, खाना खाने, स्कूल जाने और सोने तक हर काम एक साथ करती थीं। पुलिस के मुताबिक, कोविड-19 महामारी के दौरान वे ऑनलाइन गेमिंग की आदी हो गई थीं और एक टास्क-आधारित ÷कोरियन लव गेम÷ खेल रही थीं।

आज दिनांक 04.02.2026 को रात्रि करीब 02.15 बजे पीआरवी द्वारा सूचना प्राप्त हुई थाना टीलामोड़ स्थित भारत सिटी में टावर बी-1 फ्लैट नं0 907 की नवीं मंजिल की बालकनी से तीन बच्चियों के कूदने की और मौके पर ही जिनकी मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई । बताया जा रहा है कि लड़कियों ने नियमित रूप से स्कूल जाना भी बंद कर दिया था, जिससे उनके माता-पिता काफी चिंतित थे। बताया जा रहा है कि माता-पिता ने कई बार उनकी गेमिंग लत पर आपत्ति जताई थी और पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा था।मंगलवार रात इसी मुद्दे को लेकर घर में बहस हुई, जिसके बाद तीनों बहनों ने कथित तौर पर यह अत्यंत कदम उठा लिया। तड़के तेज आवाज सुनकर सोसाइटी के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और अपार्टमेंट परिसर के भीतर तीनों के शव बरामद किए। फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

मौत के पीछे छिपे खौफनाक सवाल

» तीन बच्चियां, एक फैसला–संयोग या साजिश?

» एक साथ छलांग्ज क्या यह सामूहिक आत्महत्या थी या किसी मानसिक दबाव का चरम?

» डायरी में एक जैसी भाषा–किसका असर?

» 8-10 पन्नों के सुसाइड नोट में शब्द, भाव और लाइनें लगभग समान–क्या कोई एक 'मास्टर माइंड' था?

» गेम नहीं मिला, फिर नाम कहां से आया?

» जब 'कोरियन लव' नाम का कोई गेम है ही नहीं, तो यह शब्द बच्चियों की जिंदगी में कैसे घुसा?

» मोबाइल बना मौत का हथियार?

» फोन में क्या देखा, क्या पढ़ा, किससे जुड़ीं–डिजिटल फॉरेंसिक जांच अब सबसे अहम कड़ी।

» स्कूल से दूरी, समाज से कटाव

» पढ़ाई छोड़ी, दुनिया मोबाइल तक सिमटी–क्या यहीं से टूटा मानसिक संतुलन?

» परिवार बनाम जुनून की जंग

मोबाइल पर रोक, बढ़ता टकराव–क्या इसी टकराव ने मौत की छलांग तक पहुंचा दिया?
ऑनलाइन ग्रुप या अदृश्य उकसावा?

राहुल गांधी को बोलने न देने और सांसदों के निलंबन पर विपक्ष का हंगामा

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्यों की नारेबाजी के कारण बुधवार को लोकसभा की बैठक शुरू होने के पांच मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। दोबारा फिर कार्यवाही 12 बजे शुरू हुई, लेकिन हंगामा जारी रहा। इसके कारण लोकसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

बैठक शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया।

इसी दौरान विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। वे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देते हुए बोलने की अनुमति नहीं देने और इस मुद्दे पर सदन की अवमानना के मामले में आठ विपक्षी सदस्यों को निलंबित किए जाने का मुद्दा उठा रहे थे।शोर-शराबे के बीच ही उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन बांभणिया ने कुछ पूरक प्रश्नों के उत्तर दिए। अध्यक्ष बिरला ने विपक्षी सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा, सदन के अंदर मर्यादित आचरण और व्यवहार करना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है।उनकी अपील का कोई असर नहीं हुआ और विपक्ष का प्रदर्शन जारी रहा। शोर-शराबा नहीं थमने पर उन्होंने 11 बजकर 5 मिनट पर बैठक दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। मंगलवार को सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए कांग्रेस के सात और एक माकपा सांसद को संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। इन सांसदों ने संसद के मकर द्वार के निकट सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। इन सांसदों ने हाथ में एक बड़ा बैनर ले रखा था जिस पर ÷पीएम इज कंप्रोमाइज्ड÷ लिखा हुआ था।सदन में आसन की ओर कागज फेंकने के कारण मंगलवार को विपक्ष के आठ सांसदों को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित सांसदों में कांग्रेस के मणिकम टैगोर, अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एस. वेंकटेशन शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची पुनरीक्षण पर ईसी को नोटिस जारी किया, 9 फरवरी को सुनवाई

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 9 फरवरी को होगी।इस दौरान एक अहम घटनाक्रम में ममता बनर्जी स्वयं सुप्रीम कोर्ट में पेश हुईं और अपनी बात रखी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने न सिर्फ ममता बनर्जी की याचिका बल्कि पश्चिम बंगाल सरकार की एसआईआर से जुड़ी अलग याचिका पर भी चुनाव आयोग से जवाब मांगा है।दोनों याचिकाओं पर नोटिस जारी किया जाता है।

सॉलिसिटर जनरल ने बताया है कि एक अन्य याचिका में चुनाव आयोग का हलफनामा इस मामले से जुड़ा है। उस मामले को भी सोमवार को सुना जाएगा।सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी ने अदालत से कहा, ÷कृपया लोगों के अधिकारों की रक्षा करें। हम आपके आभारी हैं।÷ उन्होंने आरोप लगाया कि स्ट्रक्प्रक्रिया के दौरान डोमिसाइल सर्टिफिकेट स्वीकार नहीं किए जा रहे, जिससे आम नागरिकों को परेशानी हो रही है।

ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर चुनाव आयोग को छह पत्र लिखे, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा, ÷जब हर जगह से निराशा मिलती है और न्याय दरवाज़े के पीछे रोता है, तब हम यहां आए हैं।

मैं किसी पार्टी के लिए नहीं, लोगों के लिए लड़ रही हूं। पीठ ने मतदाता नामों में गड़बड़ी के आधार पर भेजे जा रहे नोटिसों को लेकर चुनाव आयोग को सतर्क रहने को कहा।

अदालत ने कहा, ÷नोटिस बहुत सावधानी से भेजे जाने चाहिए। आप प्रसिद्ध व्यक्तियों के नाम ऐसे ही नहीं निकाल सकते।÷ यह टिप्पणी नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को भेजे गए नोटिस के संदर्भ में मानी जा रही है।

लोकसभा में विपक्ष का हंगामा - पीएम मोदी का भाषण टला, कार्यवाही स्थगित

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। सदन में विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण भी टल गया है। प्रधानमंत्री मोदी को आज शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था।

इससे पहले सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला, जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही 12 बजे, फिर 2 बजे, और इसके बाद शाम पांच बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तरफ से की गई टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी उन पर शारीरिक रूप से हमला करने वाले थे।

बातचीत में रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, ÷आज तो कोई गली का गुंडा भी ऐसा नहीं करेगा जैसा राहुल गांधी ने किया। जब मैंने हाथ नहीं मिलाया, तो वह मुझ पर हमला करने ही वाले थे। केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस के दूसरे नेताओं ने राहुल गांधी को पकड़ा। अगर वे उन्हें नहीं पकड़ते तो पता नहीं क्या कुछ होता।÷उन्होंने आगे कहा, ÷अगर राहुल गांधी हमला करने आते तो मेरे हाथ भी बंधे हुए नहीं होते।÷केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बहस के बाद वे अंदर चले गए। लेकिन सवाल ये है कि वे कैसे गलत शब्द बोल सकते हैं और कहते हैं कि दोबारा मेरे पास ही आओगे। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, ÷राहुल गांधी गलतफहमी में हैं। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे सम्मान दिया है और कांग्रेस नेताओं के सामने बैठाया। उन्हें (राहुल गांधी) को इस बात का दर्द है। मुझे सामने देखकर उन्हें रोज दर्द होता है। वह दर्द आज राहुल गांधी की जुबान और शारीरिक तौर पर साफ दिखाई दिया।÷

भारत-अमेरिका डील पर खड़गे का वार, पूछा- क्या अमेरिका के दबाव में झुकी सरकार?

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर बुधवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या अमेरिका के दबाव में भारत ने किसी तरह का समझौता किया है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि क्या भारत ने अमेरिकी आयात पर शुल्क को शून्य करने पर सहमति जताई है, जैसा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है।खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया कि क्या देश के किसान सुरक्षित हैं और क्या भारत ने अमेरिकी कृषि बाज़ार के लिए अपना कृषि क्षेत्र खोल दिया है। भारत और अमेरिका कई वर्षों से साझा मूल्यों के आधार पर एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे थे लेकिन अब स्थिति यह है कि यह पता नहीं चल पा रहा है कि व्यापार समझौता किस तरह का है।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा ने दावा किया कि यह समझौता गोपनीयता के आवरण में लिपटा हुआ है और इसने व्यापार से परे ऐसे बुनियादी सवाल खड़े कर दिए हैं

जो राष्ट्रीय संप्रभुता, बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के प्रति भारत की वैश्विक प्रतिबद्धताओं और ग्लोबल में भारत के नेतृत्व से जुड़े हुए हैं।शर्मा ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से कई सवाल करते हुए कहा कि क्या भारत ने, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं, अपने कृषि और डेयरी क्षेत्र को खोलने की प्रतिबद्धता जताई है और क्या अमेरिका को लगभग सभी उत्पादों पर शून्य शुल्क (जीरो ड्यूटी) पहुंच देने के लिए भारत तैयार है।

मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी की बड़ी मांग, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने से बढ़ेगा सामाजिक सद्भाव

» बीपीएस न्यूज

बरेली।अखिल भारतीय मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने मंगलवार को केंद्र और राज्य सरकारों से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने से सामाजिक सद्भाव मजबूत होगा। इस्लामी दृष्टिकोण से उन्होंने कहा कि गाय के दूध में औषधीय गुण होते हैं और यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, जबकि गोमांस का सेवन बीमारी का कारण बन सकता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'गोदान' नामक फिल्म का पोस्टर जारी किया है। यह पोस्टर और यह फिल्म गायों से संबंधित है। इसमें संभवतः गायों के संरक्षण, सुरक्षा और बचाव से जुड़ी कहानियां हैं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करता हूं। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने से कई समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। यदि आप इतिहास के पन्ने पलटेंगे, तो आपको गायों से जुड़े कई विवाद मिलेंगे। इसलिए, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के बाद ये समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

उन्होंने मुसलमानों को गाय का मांस न खाने और गाय पालन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी ताकि उनके दूध से लाभ उठाया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस्लामी दृष्टिकोण प्रस्तुत करना चाहता हूँ। पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) की एक हदीस के अनुसार, गाय के मांस में रोग होता है और उसके दूध में शिफा (इलाज) होता है। पैगंबर का उद्देश्य और दृष्टिकोण यह था कि गाय की रक्षा, सेवा और संरक्षण किया जाए, उसका मांस न खाया जाए, बल्कि उसके दूध से लाभ उठाया जाए। स्वयं दूध का सेवन करें और अपने परिवार, बच्चों और बीमारों को भी दें ताकि वे स्वस्थ हो सकें। मैं सभी मुसलमानों से अपील करता हूँ-गाय पालें और गाय का मांस न खाएँ। स्वयं गाय का दूध पिएं, अपने बच्चों को पिलाएं और बीमारों को भी दें ताकि वे स्वस्थ हो सकें।

घर बैठे पाएं मजबूत और साफ चमकते दांत

आज के समय में साफ, मजबूत और चमकते दांत न केवल हमारी पर्सनैलिटी को निखारते हैं, बल्कि अच्छे और हेल्दी रहने की पहचान भी होते हैं। लेकिन भागदौड़ भरी जिंदगी और गलत खानपान की वजह से दांतों में पीलापन, कैविटी, बदबू और मसूड़ों की दिक्कतें बहुत कॉमन हो गई हैं। कई लोग इन परेशानियों के लिए महंगे ट्रीटमेंट कराते हैं, जबकि हमारे घर में मौजूद कुछ साधारण चीजें ही दांतों की सही देखभाल के लिए काफी हैं। ये घरेलू उपाय लंबे समय तक असर दिखाने वाले होते हैं।

दांतों की समस्याएं क्यों होती हैं?

दांतों की सफाई में अगर आप लापरवाही करते हैं, ज्यादा मीठा खाते हैं, सही तरीके से ब्रश न करना और मुंह की रेगुलर सफाई न होना दांतों की समस्याओं की बड़ी वजह हो सकती है। समय पर देखभाल न करने से पीलापन, टार्टर, मसूड़ों की सूजन और बदबू जैसी परेशानियां बढ़ने लगती हैं।

बेकिंग सोडा और नींबू

एक चुटकी बेकिंग सोडा में तीन से चार बूंद नींबू का रस मिला लें। इसे अपनी उंगली या ब्रश से दांतों पर हल्के हाथों से एक मिनट तक रगड़ें और फिर पानी से कुल्ला कर लें। इससे दांतों का पीलापन और दाग कम होते हैं और मुंह के बैक्टीरिया घटते हैं।

सरसों का तेल और नमक

एक चम्मच सरसों के तेल में एक चुटकी नमक मिलाकर दांतों और मसूड़ों की हल्के हाथों से दातों में मालिश करें। दो से तीन मिनट बाद कुल्ला कर लें। इससे मसूड़े मजबूत होते हैं, टार्टर हटता है और मुंह की बदबू दूर होती है।

तुलसी के पत्ते

तुलसी के पत्तों को सुखाकर उनका पाउडर बना लें और इसे ब्रश पर लगाकर दांत साफ करें। ताजे तुलसी के पत्ते चबाने से भी दांतों की चमक बढ़ती है और मसूड़ों की दिक्कतों से रहत मिलती है।

नारियल का तेल

एक बड़ा चम्मच नारियल तेल मुंह में लेकर पांच से दस मिनट तक घुमाएं और फिर थूक दें। इसके बाद साफ पानी से कुल्ला करें। इससे मुंह के बैक्टीरिया कम होते हैं, दांत नेचुरल तरीके से साफ होते हैं और सांस की बदबू घटती है।

नमक वाला गुनगुना पानी

एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक मिलाकर कुल्ला करें। इससे मसूड़ों की सूजन कम होती है, बैक्टीरिया खत्म होते हैं और दांत दर्द में भी राहत मिलती है।

डायबिटीज पर डॉक्टर का बड़ा खुलासा

क्या धूप से घटता है ब्लड शुगर लेवल

डायबिटीज को लेकर लोगों के मन में यह जिज्ञासा अक्सर रहती है कि क्या दवाओं और खान-पान के परहेज के अलावा कोई प्राकृतिक उपाय भी है, जो ब्लड शुगर को संतुलित रखने में सहायक हो सके। कुछ लोगों का मानना है कि रोजाना थोड़ी देर धूप में बैठने से शुगर लेवल पर सकारात्मक असर पड़ता है, जबकि कुछ इसे केवल एक भ्रम समझते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि इसकी सच्चाई क्या है। दरअसल, डायबिटीज केवल बढ़े हुए ब्लड शुगर तक सीमित बीमारी नहीं है, बल्कि यह शरीर के मेटाबॉलिज्म, हार्मोन संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ी होती है।

खराब नींद, तनाव और एक्सरसाइज न करने पर शुगर लेवल बिगाड़ सकता है। आइए जानते है कि धूप लेने से डायबिटीज कंट्रोल कैसे होता है।

क्या धूप लेने से डायबिटीज कंट्रोल हो सकती है?

धूप को डायबिटीज का सीधा इलाज नहीं माना जा सकता, लेकिन अगर इसे सही समय और उचित मात्रा में लिया जाए, तो यह शरीर में ऐसे सकारात्मक बदलाव ला सकती है जो डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार हो सकते हैं। डॉक्टर जी. कृष्ण मोहन रेड्डी के अनुसार, सूर्य की रोशनी विटामिन ष प्राप्त करने का सबसे प्राकृतिक माध्यम है। जब शरीर को भरपूर धूप मिलती है, तो त्वचा के माध्यम से विटामिन ष का निर्माण होता है, जो शरीर के कई जरूरी कार्यों में अहम भूमिका निभाता है। हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि केवल धूप में बैठने से डायबिटीज कंट्रोल नहीं होती है। न तो यह दवा का विकल्प है और न ही डाइट या एक्सरसाइज का। वहीं, जो लोग रोज धूप लेते हैं उनका मेटाबॉलिज्म बेहतर रहता है और शरीर की इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार देखा जा सकता है। इसका सीधा अर्थ है कि धूप सपोर्टिव रोल निभा सकती हैं, लेकिन इलाज का मुख्य आधार नहीं बन सकती।

- रिसर्च में भी यही पाया गया है कि जिन लोगों में विटामिन-ष की कमी होती है, उनमें इंसुलिन रेजिस्टेंस का खतरा अधिक रहता है।
- विटामिन डी शरीर में इंसुलिन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद करता है।
- डायबिटीज के मरीजों के लिए रोजाना 15 से 25 मिनट की धूप पर्याप्त मानी जाती है। सुबह की हल्की धूप लेना सेहत के लिए भी अच्छा होता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज मोटिवेशनल अवॉर्ड 2026 समारोह का आयोजन 22 फरवरी को

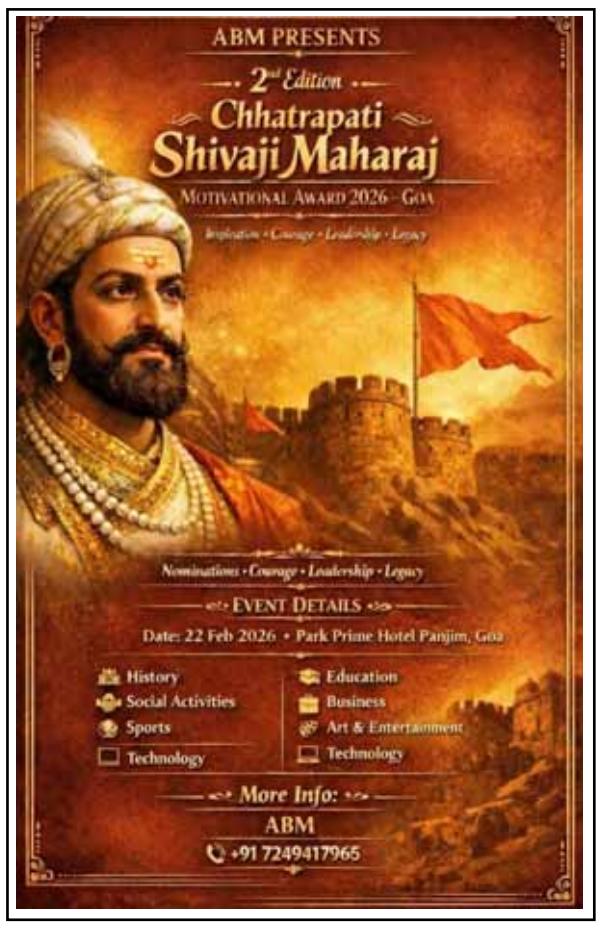

एबीएम के बैनर तले पणजी, गोवा स्थित पार्क प्राइम होटल के प्रेक्षागृह में 22 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज मोटिवेशनल अवॉर्ड 2026 समारोह (द्वितीय संस्करण) आयोजित किया जाएगा। छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों से प्रेरित होकर प्रेरणा, साहस, नेतृत्व और विरासत को समर्पित इस भव्य पुरस्कार समारोह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपने समर्पण, नवाचार और उत्कृष्टता से समाज को नई दिशा दी है।

इतिहास एवं विरासत, शिक्षा, सामाजिक गतिविधियाँ व्यवसाय एवं उद्यमिता,खेल, कला एवं मनोरंजन के साथ साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शख्सियतों को इस पुरस्कार समारोह में अवार्ड दे कर सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार हेतु नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। देशभर से योग्य प्रतिभागियों को इस सम्मान का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज मोटिवेशनल अवॉर्ड निर्भीक नेतृत्व, नैतिक मूल्यों और समाज सेवा का प्रतीक है। एबीएम संस्था का निरंतर प्रयास है कि ऐसे प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को मंच प्रदान किया जाए, जो अपने कार्यों से समाज को सशक्त बना रहे हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

प्रस्तुति: काली दास पाण्डेय

क्रिकेट के शौक से जुड़ा अम्पायर का कैरियर

अम्पायरिंग एक ऐसा कैरियर है जिसमें आप क्रिकेट के खेल से जुड़े रहते हुए भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। अगर आपको क्रिकेट के नियमों को जानने में रुचि है, फैसला लेने का आत्मविश्वास है और मैदान पर अनुशासन में रहना व खेलना पसंद है, तो अम्पायरिंग एक बेहतरीन कैरियर विकल्प हो सकता है।भारत में क्रिकेट केवल खेल नहीं, जुनून का दूसरा नाम है। लाखों युवा बल्लेबाज या गेंदबाज बनने का दिन-रात सपना देखते हैं। लेकिन उनमें से बहुत कम को यह मौका मिल पाता है। हालांकि क्रिकेट के शौक को बुलंदियों तक पहुंचाने का एक और रास्ता है । वो है क्रिकेट अम्पायर बनना। आपने अकसर देखा होगा कि जहां क्रिकेट का मैच चल रहा होता है, वहीं मैदान पर अमूमन सफेद टोपी और काली पैंट में एक व्यक्ति खड़ा होता है, यही वह अम्पायर है, जो बेहद महत्वपूर्ण और सम्मानित रोल निभाता है, जो कि क्रिकेट के खेल को स्वाभाविक और विवेकपूर्ण बनाये रखता है।

पुलिस आयुक्त द्वारा होटल व्यवसाइयों को साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

» साइबर फ्राड की स्थिति में तत्काल 1930 पर कॉल कर सूचना दें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। होटल एवं आतिथ्य व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त कार्यालय स्थित सभागार में होटल व्यवसाइयों के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता रघुबीर लाल, पुलिस आयुक्त द्वारा की गई।गोष्ठी में विनोद कुमार सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/अपराध) तथा दिनेश त्रिपाठी, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), महेश कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त (अभिसूचना) तथा अमरनाथ यादव, स्टाफ ऑफिसर उपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि 'साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता है'। उन्होंने सभी कारोबारियों से अपील की कि किसी भी अज्ञात मोबाइल नंबर, ई-मेल, व्हाट्सएप संदेश, लिंक अथवा फाइल से सतर्क रहें, किसी को भी ओटीपी साझा न करें तथा साइबर फ्राड की स्थिति में तत्काल 1930 पर कॉल कर सूचना दें, जिससे धनराशि की रिकवरी की पूर्ण संभावनाएं बनी रहती हैं।इस अवसर पर पुलिस आयुक्त द्वारा वर्ष 2009 में अपने हरदोई पुलिस अधीक्षक कार्यकाल के दौरान घटित एक अपहरण की घटना का उल्लेख करते हुए बताया गया कि कैसे एक होटल संचालक द्वारा उपलब्ध कराए गए डिजिटल फुटप्रिंट के आधार पर अपहृत व्यक्ति को सकुशल मुक्त कराते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई थी।पुलिस आयुक्त द्वारा होटल संचालकों से कुछ बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा होटल में नियुक्त समस्त हाउसकीपिंग स्टाफ, सेफ, सुरक्षा गार्ड आदि का अनिवार्य रूप से पुलिस वैरिफिकेशन कराया जाए।

होटल/पार्टी लॉन में देर रात्रि तक होने वाले आयोजनों में महिला स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा महिला कर्मचारियों के सुरक्षित आवागमन की समुचित व्यवस्था की जाए।होटल, गेस्ट हाउस एवं पार्टी लॉन में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं तथा फुटेज को कम से कम एक माह या उससे अधिक समय तक सुरक्षित रखा जाए। कैमरों की व्यवस्था इस प्रकार हो कि सड़क, पार्किंग एवं पोर्टिको क्षेत्र भी कवर हों।वाहनों की पार्किंग केवल निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही कराई जाए । जहां पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं है, वहां सुरक्षा गार्ड एवं कर्मचारियों के माध्यम से व्यवस्थित पार्किंग कराई जाए, जिससे सड़क जाम एवं यातायात बाधित न हो। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की सहायता ली जाए।किसी भी विदेशी नागरिक के होटल में ठहरने की स्थिति में पासपोर्ट से फोटो मिलान कर नियमानुसार अभिसूचना एवं स्थानीय पुलिस को सूचना दी जाए।होटल में ठहरने वाले सभी आगंतुकों की पहचान, प्रमाणिक मोबाइल नंबर तथा स्थानीय संदर्भ व्यक्ति का विवरण अभिलेखों में सुरक्षित रखा जाए ।होटल, रेस्टोरेंट एवं पार्टी लॉन में अवैध हुक्का बार, शराब अथवा अन्य नशीले पदार्थों के सेवन की अनुमति न दी जाए तथा असामाजिक तत्वों एवं ड्रग तस्करों को किसी भी प्रकार का संरक्षण न दिया जाए ।सुरक्षा की दृष्टि से होटल परिसरों में डीएफएमडी (डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर) लगाए जाएं एवं प्रशिक्षित सुरक्षा गार्ड नियुक्त किए जाएं ।इसके उपरांत पुलिस आयुक्त द्वारा उपस्थित कारोबारियों से उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं एवं सुझावों को आमंत्रित किया गया। इस क्रम में होटल गंगा वैली के अमित द्वारा साइबर अवेयरनेस के लिए समय-समय पर डेमो आयोजित किए जाने का सुझाव दिया गया। पंडित होटल के संचालक एवं पूर्व अध्यक्ष होटल एसोसिएशन विजय पंडित द्वारा चौराहों की खराब लाइटें, फुटपाथ पर अतिक्रमण एवं चोक सीवर लाइन जैसी समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया गया ।रॉयल इन होटल, काकादेव के संचालक द्वारा ई-रिक्शा अतिक्रमण तथा मोतीझील स्थित बाल उद्यान के बाहर अवैध अतिक्रमण के कारण उनके होटल व्यवसाय को हो रहे नुकसान की जानकारी दी गई ।

निरीक्षण में गौवंश की बदहाली देख सख्त हुए सीडीओ, दिए निर्देश

चारा, भूसा, हरा चारा और पेयजल की उपलब्धता का जायजा लिया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। विकास खंड अकबरपुर में संचालित अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल नरिहा का मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) विधान जायसवाल ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौवंशों के रख-रखाव, भोजन, पेयजल, साफ-सफाई और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं में पाई गई खामियों पर उन्होंने नाराजगी जताई और जिम्मेदार अधिकारियों को त्वरित सुधार के सख्त निर्देश दिए।

सीडीओ ने बताया कि आश्रय स्थल में कुल 57 गौवंश संरक्षित हैं, जिनमें 2 नर और 55 मादा हैं। सभी गौवंशों

की ईयर टैगिंग शत-प्रतिशत पाई गई। उन्होंने चारा, भूसा, हरा चारा और पेयजल की उपलब्धता का जायजा लेते हुए निर्देशित किया कि गौवंशों को समय से और पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए।

- औचक निरीक्षण में व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा
- 57 गौवंश संरक्षित, ईयर टैगिंग 100प्रतिशत
- समय से पौष्टिक आहार और स्वच्छ पेयजल के निर्देश
- स्वास्थ्य निगरानी, उपचार और साफ-सफाई पर सख्ती
- लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने गौवंशों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी, बीमार पशुओं का तत्काल उपचार, टीकाकरण और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही गौशाला परिसर की साफ-सफाई, शेड की स्थिति, नांद, जल व्यवस्था, जल निकासी और गोबर निस्तारण को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए, ताकि पशुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने स्पष्ट किया कि गौसंरक्षण और पशु कल्याण से जुड़ी शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिम्मेदार अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के समय जिला विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और गौशाला कर्मचारी मौजूद रहे।

मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स में लगा संपूर्ण समाधान दिवस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 153 शिकायतें दर्ज हुईं जिसमें 17 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया जबकि अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को सात दिन का समय दिया गया। शनिवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स में सदर तहसील के अंतर्गत संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 17 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को त्वरित राहत दी गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवस औपचारिकता नहीं है। प्रत्येक शिकायत का ऐसा निस्तारण हो कि फरियादी संतुष्ट हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित प्रकरणों की समीक्षा वे स्वयं करेंगे और लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी। शिकायतों में सर्वाधिक 69 मामले राजस्व विभाग से संबंधित रहे।पुलिस विभाग से 26, नगर निगम से 19, केडीए से 17 तथा जिला आपूर्ति विभाग, जलकर और केस्को से चार-चार प्रकरण सामने आए। अन्य शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित थीं।

संपूर्ण समाधान दिवस में एडीएएम संतोष कुमार राय, एसडीएम अनुभव सिंह, सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी, अपर नगर आयुक्त आवेश खान सहित सभी विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

नौबस्ता निवासी अंश सिंह का दिव्यांगता प्रमाण पत्र मौके पर ही संचालित विशेष मेडिकल कैंप के माध्यम से जारी कराया गया। कर्नलगंज निवासी वहीदउद्दीन अहमद के नाम संशोधन प्रकरण में राजस्व अभिलेखों में दर्ज त्रुटि को तुरंत दुरुस्त कराया गया।पनकी निवासी राजबहादुर कमल के मामले में पिता के नाम और स्वयं के नाम में दर्ज त्रुटियों को राजस्व निरीक्षक की आख्या के आधार पर संशोधित कराया गया। ग्राम बिधनू और कटरी ख्यौरा से आए भूमि अंश और नाम संशोधन संबंधी मामलों में भी मौके पर निर्देश देकर खतौनी प्रविष्टियां सही कराई गईं।ग्राम दहेली उजागर निवासी राम किशोर मिश्रा के अंश निर्धारण संबंधी आवेदन पर राजस्व निरीक्षक को तत्काल निर्देशित कर अभिलेख संशोधित कराए गए।किदवईनगर निवासी अमन शुक्ला के प्रकरण में पूर्व वाद के अनुपालन को अभिलेखों में दर्ज कर निस्तारण सुनिश्चित कराया गया।फजलगंज निवासी हिमांशु शुक्ला के मामले में पिता के निधन के बाद शस्त्र लाइसेंस जमा कराने की प्रक्रिया तत्काल पूरी कराई गई, जिससे प्रार्थी को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिली। प्रीती यादव के राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ प्रकरण में औपचारिकताएं पूर्ण कराई गई।हिरौंदा के विधवा पेंशन प्रकरण में आधार पंजीकरण पूर्ण कर अगली किस्त के साथ भुगतान सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई।

रसूलाबाद में सपा प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश में एसआईआर के नाम पर पीडीए समाज के वोट काटने की साजिश की जा रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अब चौकन्ना है। अपने एक भी वोट को कटने नहीं दिया जाएगा। यह बाते समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने रसूलाबाद में कहीं।

प्रदेश अध्यक्ष का काफिला जैसे ही रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र से गुजरा, कस्बे में सपा के वरिष्ठ नेता हाजी फैजान खान की अगुवाई में सैकड़ों सपाइयों ने उनका भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अब भाजपा यह समझ चुकी है कि 2027 में उसकी दाल गलने वाली नहीं है, इसलिए वह तरह-तरह के फरेब कर रही है। ट्यूनी मिस्त्री, कलीम कुरैशी, रीटू यादव, अजयपाल यादव, रहीस निजामी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

» हादसे में एक अन्य युवक गंभीर घायल, सीएचसी रसूलाबाद में भर्ती

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। जनपद में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला बिल्हौर थाना क्षेत्र का है, जहां तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे एक ई-रिक्शा ने बाइक को सीधी टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच उठा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दलेरपुर गांव निवासी जयकेश गांव के ही साथी अमित के साथ बाइक से शहबाजपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक बर्रा-ठर्रा गांव के सामने रामनगर मार्ग पर पहुंची, तभी सामने से आ रहे ई-रिक्शा ने तेज गति और

लापरवाही से बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद जयकेश सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर चोटों के चलते उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अमित दूर जा गिरा और बुरी तरह घायल हो गया। आसपास मौजूद ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। दोनों को आनन-फानन में सीएचसी रसूलाबाद ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जयकेश को मृत घोषित कर दिया। घायल अमित का उपचार चल रहा है।

इस संबंध में कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर ई-रिक्शा चालक के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर ई-रिक्शा और अन्य वाहनों की तेज रफ्तार आवाजाही आम बात हो गई है। यातायात नियंत्रण के अभाव में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर सख्त ट्रैफिक व्यवस्था और निगरानी की मांग की है।

दुष्कर्म के आरोपी को घर से दबोचा

कानपुर देहात। भोगनीपुर पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार था।पुलिस के मुताबिक थाना भोगनीपुर में दर्ज दुष्कर्म के केस के तहत आरोपी राजा संखवार (22) निवासी ग्राम हलधरपुर की तलाश की जा रही थी। पीड़िता की ओर से माननीय न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि आरोपी ने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया और विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। शुक्रवार को भोगनीपुर

पुलिस टीम ने छापा मार कर आरोपी को उसके घर के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमेन्द्र बहादुर सिंह और हेड कांस्टेबल वीरेंद्र कुमार शामिल रहे।

महाशिवरात्रि को लेकर पुलिस उपायुक्त ने किया आनंदेश्वर मंदिर का निरीक्षण

पैदल भ्रमण कर लिया संवेदनशील स्थलों का जायजा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) अतुल कुमार श्रीवास्तव एवं उपजिलाधिकारी ने थाना ग्वालटोली क्षेत्र स्थित श्री आनंदेश्वर (परमट) मंदिर परिसर का संयुक्त निरीक्षण किया। संभावित भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों ने मंदिर परिसर, घाटों, आवागमन मार्गों एवं अन्य संवेदनशील स्थलों का स्थलीय जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन तथा भीड़ नियंत्रण व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं को परखा और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने आपात स्थिति से निपटने की तैयारी, महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था, यातायात डायवर्जन तथा सतत निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल), अपर पुलिस उपायुक्त (एलआईयू), सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज, नगर निगम एवं केस्को के अधिकारी, मंदिर प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारी, स्थानीय पार्षद सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि गंगा तट पर स्थित आनंदेश्वर मंदिर में यूं तो हमेशा श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है लेकिन श्रावस मास के सोमवार और महाशिवरात्रि आदि पर्व पर यहां बाबा के दर्शनों के विशाल जनसैलाब उमड़ता है जिसे संभालने के लिये जिला व पुलिस प्रशासन को कमर कसनी होती है।

उम्मीद पोर्टल की उम्मीद पर खरी नहीं उतर रही वक्फ संपत्तियां, 15 फरवरी अंतिम तिथि

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। केंद्र सरकार द्वारा वक्फ संपत्तियों का ब्यौरा एकत्र किया जा रहा है, इसके लिए सरकार ने एक उम्मीद पोर्टल जारी किया है, इसी पोर्टल पर वक्फ के रखवालों को हिदायत दी गई है कि वे अपनी वक्फ संपत्तियों का ब्यौरा इसी पर अपलोड कर दें। इस पोर्टल पर संपत्तियां अपलोड करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 है लेकिन अभी तक मात्र 65 प्रतिशत वक्फ संपत्तियां ही पोर्टल पर पंजीकृत हो पाई हैं। दरअसल कानपुर में उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों का रजिस्टेशन धीमी गति से हो रहा है,

उसके पीछे मुतवल्लियों का तर्क है कि सर्वर डाउन या धीमा होने के कारण कब्रिस्तान, मस्जिद आदि संपत्तियों को दर्ज कराने में कठिनाई हो रही है, दिसंबर 2025 तक 50 प्रतिशत संपत्तियों का ही पंजीयन हो सका जिससे सरकार को इस समय सीमा बढ़ाना पड़ी।

अलल औलाद संपत्तियों का ब्यौरा नहीं

वक्फ अलल औलाद संपत्तियों का ब्यौरा वक्फ विभाग के पास नहीं है जिससे सही आंकड़े नहीं मिल पा रहे हैं।

दरअसल वक्फ अलल औलाद का मतलब है कि ऐसी वक्फ संपत्तियां, जिसकी रखवाली के लिए वक्फकर्ता ने अपने परिवार को ही नामित किया हो।

कानपुर में कुल 1669 वक्फ संपत्तियां

बताते चलें कि पूरे उत्तर प्रदेश में 92,832 वक्फ संपत्तियां हैं जिनमें 86,347 सुन्नी और 6,485 संपत्तियां शिया हजरात की हैं।

कानपुर में बीते माह हुए सर्वे में पता चला कि कानपुर में 1669 से 1670 वक्फ संपत्तियां हैं जिनमें 548 संपत्तियां सरकारी भूमि (धारा 37) पर पाई गई हैं जो मुख्य रुप से मस्जिद, कब्रिस्तान, ईदगाह आदि हैं। सरकारी भूमि वाली संपत्तियां विवादित श्रेणी में हैं।

क्या बोले सहायक आयुक्त वक्फ

उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों का लगभग 65 प्रतिशत पंजीयन हो चुका होगा क्योंकि सारा डाटा वक्फ बोर्ड के पास ही पहुंचता है।

वक्फ अलल औलाद का ब्यौरा मिलना मुश्किल हो रहा है, कोशिश है कि जल्द से जल्द सारी संपत्तियों का पंजीयन पोर्टल पर हो जाए...पवन सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, सहायक वक्फ आयुक्त कानपुर नगर।

वक्फ सपंत्तियों का ब्यौरा देखिए

उत्तर प्रदेश में वक्फ संपत्तियां कुल	92,832
सुन्नी समुदाय की वक्फ संपत्तियां	86, 347
शिया समुदाय की वक्फ संपत्तियां	06, 485
कानपुर में कुल वक्फ संपत्तियां	01,669
सुन्नी समुदाय की वक्फ संपत्तियां	914
शिया समुदाय की वक्फ संपत्तियां	34
बिल्हौर में वक्फ संपत्तियां	388
घाटमपुर में वक्फ संपत्तियां	189
नर्वल में वक्फ संपत्तियां	144
पोर्टल पर पंजीकरण की	15 फरवरी 2026 तक
वक्फ बोर्ड द्वारा संपत्तियों का परीक्षण	15 अप्रैल 2026 तक
वक्फ बोर्ड द्वारा पंजीकरण को अनुमोदन	5 जून 2026 तक

कानपुर एसआईआर : अब मतदाता सूची में 7 मार्च तक नाम जुड़वाएं

कानपुर। जिन लोगों ने अपना नाम मतदाता सूची में अंकित नहीं कराया है, उनके लिए सुनहरा मौका है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की अंतिम तिथि 6 फरवरी 2026 घोषित थी लेकिन अब इसे बढ़ाकर 7 मार्च कर दिया गया है। अब आप अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के पूर्व में घोषित कार्यक्रम में संशोधन किया गया है जिसके अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि 06 जनवरी 2026 से 06 मार्च 2026 तक निर्धारित की गई है।नामांकन प्रपत्रों पर निर्णय एवं दावे-आपत्तियों के निस्तारण की कार्यवाही 06 जनवरी 2026 से 27 मार्च 2026 तक की जाएगी। स्वास्थ्य मापदण्डों की जांच 03 अप्रैल 2026 तक पूर्ण की जाएगी तथा निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को किया जाएगा।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित इस विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नए मतदाताओं के पंजीकरण हेतु प्रारूप-6 घोषणा पत्र (अनुलग्नक-) के साथ, नाम विलोपन के लिए प्रारूप-7, किसी प्रविष्टि में त्रुटि सुधार, पता परिवर्तन एवं डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र हेतु प्रारूप-8 घोषणा पत्र (अनुलग्नक-द्वद्ध) के साथ भरकर दिनांक 06 मार्च 2026 तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय या संबंधित भाग संख्या के बीएलओ को प्रस्तुत किया जा सकता है।

एसपी ने सदर कोतवाल और साइबर थाना प्रभारी को किया लाइन हाजिर

कानपुर। एसपी अनूप कुमार सिंह ने कार्यप्रणाली में ढिलाई के चलते सदर कोतवाल तारकेश्वर राय और साइबर थाना प्रभारी सुनील सिंह को तत्काल प्रभाव से हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया है। श्रवण कुमार सिंह को शहर का नया कोतवाल और कमर खान को साइबर थाने का नया प्रभारी बनाया गया है।

फतेहपुर जिले में एसपी अनूप कुमार सिंह ने सदर कोतवाल तारकेश्वर राय और साइबर थाना प्रभारी सुनील सिंह को लाइन हाजिर किया है। एसपी ने श्रवण कुमार सिंह को शहर का नया कोतवाल और कमर खान को साइबर थाना प्रभारी बनाया है। इसके अलावा एसपी ने दो सीओ के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया है। सीओ सिटी गौरव शर्मा को सीओ अपराध बनाया है। यातायात सीओ प्रमोद शुक्ला को सीओ सिटी बनाया गया है।

पुलिस के डर से युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर के कल्याणपुर क्षेत्र में पुलिस के डर से एक युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। करीब 25 फीसदी झुलसे युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कल्याणपुर कला निवासी कार चालक राहुल दीक्षित का पिछले महीने क्षेत्र के दबंग लोगों से विवाद हुआ था जिसकी रिपोर्ट उसने थाने में करा दी थी। मारपीट के इस मामले में नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि विपक्षी उसे मुकदमा वापस लेने का दवाब बना रहे थे और क्षेत्रीय पुलिस को बात बात पर बुला लेते थे। इसी क्रम में बीती देर रात विपक्षियों ने पथराव की सूचना देकर पुलिस को बुला लिया ।

बाबा बड़े दयालू है ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू है
बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स
हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।
(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)
24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर
महेंद्र पटेल प्रबंधक
माधुरी पटेल डायरेक्टर
पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें
9919772233 7985401046
पता:- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Jai Ambey Traders
ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com
CARE-TEX OUR MISSION IS PATIENT CARE
ORDER ONLINE ON amazon
ABDOMINAL BELT, WARM BAG, COMPRESSOR NEBULIZER, ARM SLING POUCH, WRIST BAND, THERMOMETER, WRIST BINDER, STETHOSCOPE, SOFT CERVICAL COLLAR, KNEE CAP, ELBOW SUPPORT
7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401
Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

Sahu Ji Maharaj Restaurant
Since:1992
राजसी ठाट देसी अंदाज़
638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर (निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)
M: 8303637506
9792526852

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।